विश्व रंग फाउंडेशन भारत
भारतीय संस्कृति, वैश्विक मंच!

RNTU
Rabindranath TAGORE UNIVERSITY
MADHYA PRADESH, BHOPAL

अंतरराष्ट्रीय हिंदी पाठ्यक्रम

पाठ्य सामग्री
CONTENT BOOK

स्तर 02

हिंदी से संवाद

Level 02 - Let's Talk in Hindi

संपादक - संतोष चौबे

हिंदी सीखना और सिखाना है, विश्व में हिंदी की पहचान बनाना है।
Hindi Seekhna Aur Sikhana Hai, Vishwa Main Hindi ki Pehchan Banana Hai

विश्वरंग फाउंडेशन भारत एवं अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र, रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय भोपाल (म.प्र.) भारत

पाठ्य सामग्री

स्तर – 2 : हिंदी से संवाद

Let's Talk in Hindi

अंतरराष्ट्रीय हिंदी पाठ्यक्रम

संपादक : संतोष चौबे

आईसेक्ट पब्लिकेशन

ISBN : 978-93-88846-82-0

स्तर – 2 : हिंदी से संवाद

संपादक : संतोष चौबे

लेखक : डॉ. गायत्री राजपूत एवं डॉ. मधुप्रिया

मार्गदर्शन : डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स

समन्वय : डॉ. पुष्पा असिवाल, डॉ. जवाहर कर्नावट, संजय सिंह राठौर, दिनेश लोहानी एवं आशीष नेमा

अकादमिक सहयोग : डॉ. अरूण कुमार पाण्डेय

चित्र, तकनीकी सहयोग एवं कंपोसिंग : कार्तिक सराठे

आवरण : कमलेश ठाकुर एवं कार्तिक सराठे

संयोजन :
अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र, विश्वरंग फाउंडेशन
रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल

मूल्य : ₹ 1285

प्रथम संस्करण **2025**
© आईसेक्ट पब्लिकेशन्स

प्रकाशक : आईसेक्ट पब्लिकेशन
ई-7/22, एस.बी.आई., अरेरा कॉलोनी,
भोपाल-462016
ईमेल : aisectpublications@aisect-org
दूरभाष : 0755-4851056
मोबाईल : 8818883165

मुद्रक : आईसेक्ट पब्लिकेशन
प्लॉट नंबर-10, सेक्टर-सी, औद्योगिक क्षेत्र,
बगरोदा, भोपाल, मध्यप्रदेश - 462026

इस पुस्तक का सर्वाधिकार सुरक्षित है। प्रकाशक/लेखक की लिखित अनुमति के बिना इसके किसी भी अंश को, फोटोकॉपी एवं रिकार्डिंग सहित इलेक्ट्रॉनिक अथवा मशीनी, किसी भी माध्यम से, अथवा ज्ञान के संग्रहण एवं पुनरूप्रयोग की प्रणाली द्वारा, किसी भी रूप में, पुनरुत्पादित अथवा संचारित-प्रसारित नहीं किया जा सकता।

भूमिका

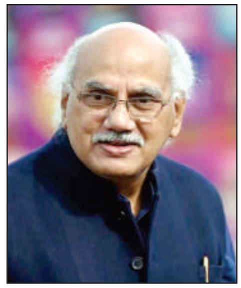

भाषा केवल बोलने का माध्यम नहीं, बल्कि अनुभवों और संवेदनाओं का सेतू है।स्तर **– 2 :** हिंदी से संवाद उसी सेतू को और मजबूत बनाता है, जहाँ विद्यार्थी अब केवल शब्दों को नहीं पहचानते, बल्कि हिंदी में सोचना, समझना और संवाद करना सीखते हैं। यह पुस्तक श्रृंखला की तीसरी पुस्तक है ।

यह पुस्तक उन विद्यार्थियों के लिए है जिन्होंने हिंदी की बुनियाद रख ली है और अब जीवन के विविध विषयों पर हिंदी में बातचीत करना चाहते हैं। यहाँ प्रत्येक अध्याय, सीखने वाले को हिंदी भाषा की गहराई और भारतीय संस्कृति की सुगंध से जोड़ता है। इस पुस्तक के प्रमुख विषय हैं, भारत को जानें, भारतीय फल, फूल और पेड़, भारतीय सब्जियाँ, अनाज और मसाले, संख्याएँ और गणना के चिह्न, भावनाओं से जुड़े शब्द, समानार्थक और विलोम शब्द, स्थान और दिशा तथा हिंदी के महत्वपूर्ण व्याकरणिक रूप- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया और क्रियाविशेषण । विद्यार्थी इन अध्यायों के माध्यम से सरल वाक्य, दैनिक संवाद, लघु कथाएँ और कविताएँ पढ़ते हुए हिंदी के प्रयोग में सहजता प्राप्त करेंगे । पुस्तक में भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित अध्याय जोड़े गए हैं ताकि विद्यार्थी केवल भाषा नहीं, बल्कि भारत की संवेदनशीलता और दृष्टि को भी समझ सकें । ”हिंदी से संवाद“ के इस स्तर पर सीखना एक आनंदपूर्ण यात्रा बन जाता है, जहाँ भाषा खेल, चित्र, अभ्यास और गतिविधियों के माध्यम से आत्मसात होती है। हमें विश्वास है कि इस पुस्तक के अध्ययन से विद्यार्थी हिंदी में आत्मविश्वास के साथ बात करना, समझाना और अपने विचार व्यक्त करना सीखेंगे। यह संवाद केवल शब्दों का नहीं, बल्कि संस्कृतियों के मिलन का माध्यम बनेगा। आइए, हिंदी सीखने की इस यात्रा में सहभागी बनें!

संतोष चौबे

कुलाधिपति, रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश

निदेशक, ‘विश्व रंग फाउंडेशन’, भारत

अंतरराष्ट्रीय हिंदी पाठ्यक्रम पुस्तक शृंखला

प्रारंभिक – बुनियादी हिंदी

स्तर – 1 हिंदी में अभिव्यक्ति

स्तर – 2 हिंदी से संवाद

स्तर – 3 हिंदी साहित्य एवं संस्कृति

स्तर – 4 हिंदी का पल्लवन

अनुक्रम
Anukram
Index

क्रम	हिंदी	Roman	English	पृष्ठ क्र.
1.	भारत को जानें	Bharat ko Jaanein	Know about India	01-08
2.	भारतीय फल, फूल एवं पेड़	Bharatiya Phal, Phool evam Ped	Indian Fruits, Flowers and Trees	9-18
3.	भारतीय सब्जियां	Bharatiya Sabziyaan	Indian Vegetables	19-22
4.	भारतीय अनाज एवं मसालें	Bharatiya Anaaj evam Masale	Indian Grains and Spices	23-28
5.	संख्याएँ	Sankhyaaen	Numbers	29-33
6.	गणितीय चिह्न	Ganitiy Chihn	Mathematical Symbols	34-35
7.	भावनाओं से जुड़े शब्द	Bhavnaon se Jude Shabd	Words Related to Emotions	36-40
8.	पर्यायवाची शब्द	Paryayvaachi Shabd	Synonyms	41-45
9.	विलोम शब्द	Vilom Shabd	Antonyms	46-51
10.	स्थान एवं दिशा	Sthaan evam Disha	Place and Direction	52-57
11.	संज्ञा	Sangya	Noun	58-61
12.	सर्वनाम	Sarvanam	Pronoun	62-66
13.	विशेषण	Visheshan	Adjective	67-78
14.	क्रिया	Kriya	Verb	79-72
15.	क्रिया विशेषण	Kriya Visheshan	Adverb	73-77
16.	लिंग	Ling	Gender	78-86
17.	वचन	Vachan	Number	87-92
18.	सरल वाक्य	Saral Vaaky	Simple Sentence	93-96
19.	कहानी : शेर और खरगोश	Kahani : Sher Aur Khargose	Story : Lion and Rabbit	97-101
20	कहानी : बेशकीमती फूलदान	Kahani : Beshki mti Phooldan	Story : Precious Vase	102-106
21.	कविता : झाँसी की रानी	Kavita : Jhansi Ki Rani	Poem : Queen of Jhansi	107-111
22.	चंद्रशेखर आजाद	Chandrashekhar Azad	Chandrashekhar Azad	112-117
23.	आर्यभट्ट : शून्य की खोज	Aryabhatta: Shunya ki Khoj	Aryabhatta: The Discovery of Zero	118-122

1

भारत को जानें / Bharat ko jaanein / Know about India

- भारत, विश्व का एक प्राचीन और गौरवशाली राष्ट्र है । यह एशिया महाद्वीप में स्थित है । इसकी राजधानी नई दिल्ली है । यह देश केवल भौगोलिक इकाई नहीं, अपितु संस्कृति, परंपरा और विचारधारा का जीवंत संगम है । सिंधु घाटी सभ्यता (3300 ईसा पूर्व) से स्वतंत्रता संग्राम तक, इसका इतिहास हजारों साल पुराना है । वैदिक युग, मौर्य, गुप्त, चोल, मुगल और ब्रिटिश काल इसके इतिहास के अभिन्न अंग हैं ।

- Bharat, vishva ka ek pracheen aur gauravashali rashtra hai. Yah Asia mahadvip mein sthit hai. Isaki rajadhani New Delhi hai. Yah desh keval bhaugolik ikai nahin, apitu sanskrti, parampara aur vicharadhara ka jivant sangam hai. Sindhu ghati sabhyata (3300 isha poorv) se svatantrata sangraam tak, isaka itihas hajaron sal purana hai. Vaidik yug, Mourya, Gupt, Chol, Mugal aur British kal isake itihas ke abhinna ang hain.

- India is an ancient and glorious nation of the world. It is located in the continent of Asia. It's capital is New Delhi. This country is not just a geographical unit, but a living confluence of culture, tradition and ideology. From the Indus Valley Civilization (3300 BC) to the freedom struggle, its history is thousands of years old. The Vedic era, Mourya, Gupta, Chola, Mughal and British eras are integral parts of its history.

- भारत ने योग, आयुर्वेद, शून्य, दशमलव प्रणाली, खगोलशास्त्र के क्षेत्र में विश्व में अमूल्य योगदान दिया है । भारत को "विविधताओं में एकता" वाला देश कहा जाता है क्योंकि यहाँ विभिन्न धर्म, भाषा, संस्कृति और परंपराओं के लोग एक साथ रहते हैं । यह देश अपनी इसी विविधता के बावजूद एकता के सूत्र में बंधा हुआ है, जो इसे एक अनूठा राष्ट्र बनाता है । दीपावली, होली, ईद, ओणम, और नवरात्रि जैसे त्योहार संस्कृति को समृद्ध करते हैं । उत्तर में रोटी-दाल, दक्षिण में डोसा-सांभर, गुजरात में ढोकला, और पंजाब में सरसों का साग खानपान की विविधता दर्शाते हैं । साड़ी, धोती और सलवार-कुर्ता पारंपरिक वस्त्र हैं । हिमालय की बर्फीली चोटियों से दक्षिणी समुद्री तटों और थार के रेगिस्तान से घने जंगलों तक भारत की भौगोलिक विविधता अद्भुत है ।
- Bharat ne yog, ayurved, shunya, dashamalav pranali, khagolashastra ke kshetra mein vishva mein amulya yogadan diya hai. Bharat ko "vividhataon mein ekata" vala desh kaha jaata hai kyonki yahaan vibhinna dharm, bhaasha, sanskrti aur paramparaon ke log ek sath rahate hain. Yah desh apani isi vividhata ke bavajud ekata ke sutra mein bandha hua hai, jo ise ek anutha rashtra banata hai. Dipawali, Holi, Eid, Onam, aur Navaratri jaise tyohar sanskrti ko samriddha karate hain. Uttar mein roti-dal, dakshin mein dosa-sambhar, Gujarat mein dhokala, aur Panjab mein sarason ka sag khan-pan ki vividhata darshaate hain. Sari, dhoti aur salavaar-kurta paramparik vastra hain. Himalaya ki barphili chotiyon se dakshini samudri taton aur thaar ke registan se ghane jangalon tak Bharat ki bhaugolik vividhata adbhut hai.
- India has made invaluable contributions to the world in the field of Yoga, Ayurveda, zero, decimal system, astronomy. India is called a country of "unity in diversity" because people of different religions, languages, cultures and traditions live together here. This country is bound by the thread of unity despite its diversity, which makes it a unique nation. Festivals like Diwali, Holi, Eid, Onam and Navratri enrich the culture. Roti-Dal in the North, Dosa-Sambhar in the South, Dhokla in Gujarat, and Sarson ka Sag in Punjab show the diversity of food. Sari, Dhoti and Salwar-Kurta are traditional clothes. From the snowy peaks of the Himalayas to the southern sea coasts, from the Thar Desert to dense forests, India's geographical diversity is amazing.

- भारत एक लोकतांत्रिक देश है । भारत में 28 राज्य और 8 केंद्र शासित प्रदेश हैं । इसका क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग किलोमीटर और जनसंख्या लगभग 143 करोड़ (2025 अनुमान) है । तक्षशिला (वर्तमान में पाकिस्तान में स्थित) और नालंदा जैसे प्राचीन विश्वविद्यालय, आर्यभट्ट और चाणक्य जैसे विद्वानों ने भारत को विश्व में अलग पहचान दिलाई है । आज भारत में अनेक उच्च संस्थान मौजूद हैं जो भारत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं, जैसे इसरो, आईआईटी, आईआईआईटी और एम्स आदि ।
- Bharat ek lokatantrik desh hai. Bharat mein 28 rajya aur 8 kendra shasit pradesh hain. Isaka kshetraphal 32,87,263 varg kilomitar aur janasankhya lagabhag 143 karod (2025 anumaan) hai. Takshashila (vartaman mein pakistaan mein sthit) aur Nalanda jaise prachin vishvavidyalaya, Aryabhatt aur Chanaky jaise vidvanon ne Bharat ko vishva mein alag pahachan dilai hai. Aaj Bharat mein anek uchch sansthan maujood hain, jo Bharat ke vikas mein mahatvapoorn yogadan de rahe hain, jaise ISRO, IIT, IIIT aur AIIMS adi.
- India is a democratic country. India has 28 states and 8 union territories. Its area is 32,87,263 square kilometers and the population is about 143 crores (2025 estimate). Ancient universities like Takshashila (presently located in Pakistan) and Nalanda, scholars like Aryabhata and Chanakya have given India a distinct identity in the world. Today there are many higher institutions in India which are contributing significantly in the development of India, like ISRO, IIT, IIIT, AIIMS etc.

- भारत में 22 मान्यता प्राप्त भाषाएँ हैं : असमिया, बंगाली, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, सिंधी, तमिल, तेलुगु, उर्दू, बोडो, संथाली, मैथिली और डोगरी । भारत एक धर्म-निरपेक्ष राष्ट्र है । हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध और जैन धर्मों का सह-अस्तित्व यहाँ की विशेषता है । भारत की अर्थव्यवस्था वर्तमान में विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जो कृषि, उद्योग और स्टार्टअप पर आधारित है । यहाँ सैकड़ों राष्ट्रीय उद्यानों में बाघ, शेर और हाथी जैसे वन्यजीव पाए जाते हैं । प्राचीन विरासत और आधुनिक प्रगति का यह संगम भारत को विश्व में सशक्त बनाता है ।

- Bharat mein 22 manyata prapt bhashaen hain : Bengali, Gujarati, Hindi, Kannada, Kashmiri, Konkani, Malayalam, Manipuri, Marathi, Nepali, Odia, Punjabi, Sanskrit, Sindhi, Tamil, Telugu, Urdu, Bodo, Santhali, Maithili and Dogri. Bharat ek dharm-nirapeksh rashtra hai. Hindu, Muslim, Sikh, Isai, Bauddh aur jain dharmon ka sah-astitv yahan ki visheshata hai. Bharat ki arthavyavastha vartaman mein vishva ki panchavin sabase badi arthavyavastha hai, jo krishi, udyog aur startap par adharit hai. Yahan saikadon rashtriy udyanon mein bagh, sher aur hathi jaise vanyajiv pae jaate hain. Prachin virasat aur aadhunik pragati ka yah sangam Bharat ko vishva mein sashakt banata hai .

- There are 22 recognized languages in India: Assamese, Bengali, Gujarati, Hindi, Kannada, Kashmiri, Konkani, Malayalam, Manipuri, Marathi, Nepali, Odia, Punjabi, Sanskrit, Sindhi, Tamil, Telugu, Urdu, Bodo, Santhali, Maithili and Dogri. India is a secular nation. Coexistence of Hindu, Muslim, Sikh, Christian, Buddhist and Jain religions is a characteristic of this country. India's economy is currently the fifth largest economy in the world, which is based on agriculture, industry and startups. Wildlife like tigers, lions and elephants are found here in hundreds of national parks. This confluence of ancient heritage and modern progress makes India powerful in the world.

राष्ट्रीय चिह्न / Rashtriya Chihn / National Symbols

- कुछ राष्ट्रीय चिह्न हैं, जो भारत की पहचान हैं । इनका उल्लेख नीचे किया गया है ।
- Kuchh Rashtriya chihn hain, jo Bharat ki pahachan hain. inaka ullekh niche kiya gaya hai.
- There are some national symbols which are the identity of India. These are mentioned below.

राष्ट्रीय ध्वज

- केसरिया (साहस का प्रतीक)
- सफेद (शांति का प्रतीक)
- हरा (समृद्धि का प्रतीक)
- बीच में नीला अशोक चक्र (यह न्याय, गतिशीलता और प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है ।)

Rashtriya dhvaj

- Kesariya (saahas ka pratik)
- Saphed (shaanti ka pratik)
- Hara (samriddhi ka pratik)
- Beech mein nila Ashok Chakra (yah nyaay, gatishilata aur pragati ka pratinidhitv karata hai.)

National Flag

- Saffron (courage)
- White (peace)
- Green (prosperity)
- Blue Ashoka Chakra in the middle (It represents justice, dynamism and progress.)

तिरंगा / **Tiranga**

राष्ट्रीय प्रतीक

- इसमें चार शेर एक दूसरे की तरफ पीठ किए हुए बैठे हैं ।
- यह सारनाथ में स्थित अशोक स्तंभ से लिया गया है ।

Rashtriya prateek

- Isamen char sher ek doosare ki or pith karke baithe hain.
- Yah Sarnath mein sthit Ashok Stambh se liya gaya hai.

National Emblem

अशोक स्तंभ / ashok stambh / Ashoka Pillar

• It has four lions sitting with their backs facing each other. • This is taken from the Ashoka Pillar located in Sarnath.	
➢ **राष्ट्रीय गान** ● जन गण मन ● रबींद्रनाथ टैगोर द्वारा रचित ➢ **Raashtriya gaan** ● Jana Gana Mana ● Rabindranath Tagore dvara rachit ➢ **National Anthem** ● Jana Gana Mana ● Composed by Rabindranath Tagore	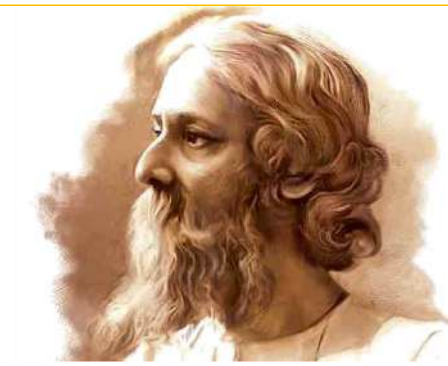 **जन गण मन / Jan gan man /Jana Gana Mana**
➢ **राष्ट्रीय गीत** ● बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा लिखा गया है । ➢ **Rashtriya geet** ● Bankim Chandra Chattopadhyaya dvaara likha gaya hai. ➢ **National Song** ● Written by Bankim Chandra Chattopadhyay	 **वंदे मातरम् / Vande Mataram /Vande Mataram**
➢ **राष्ट्रीय पक्षी** ● सौंदर्य और आकर्षण का प्रतीक ➢ **Rashtriya pakshi** ● Saundarya aur akarshan ka Prateek ➢ **National Bird** ● Symbol of beauty and charm	 **मोर /mor / Peacock**

➢ राष्ट्रीय पशु • शक्ति, साहस और गौरव का प्रतीक ➢ **Rashtriya pashu.** • shakti, saahas aur gaurav ka Prateek ➢ **National Animal** • Symbol of power, courage and pride	 **बाघ / Bagh / Tiger**
➢ **राष्ट्रीय फूल** • पवित्रता और सुंदरता का प्रतीक ➢ **Rashtriya Phul** • Pavitrata aur sundarata ka Prateek ➢ **National Flower** • Symbol of purity and beauty	 **कमल / Kamal / Lotus**
➢ **राष्ट्रीय वृक्ष** • लंबी उम्र और स्थिरता का प्रतीक ➢ **Rashtriya vriksh** • Lambi umra aur sthirata ka Prateek ➢ **National Tree** • Symbol of long life and stability	 **बरगद का पेड़ / Bargad ka ped /Banyan Tree**
➢ **राष्ट्रीय खेल** • भारत के खेल विरासत का प्रतिनिधित्व करता है । ➢ **Rashtriya khel** • Bharat ke khel virasat ka pratinidhitv karata hai. ➢ **National Game** • Represents India's sporting legacy.	 **हॉकी / Hockey / Hockey**
➢ **राष्ट्रीय फल** • 'फलों का राजा', स्वाद और सुगंध के लिए जाना जाता है ➢ **Rashtriya Phal** • 'Phalon ka raaja', swad aur sugandh ke lie jana jaata hai. ➢ **National Fruit** • 'King of fruits', known for taste and fragrance.	 **आम / Aam / Mango**

अभ्यास / Abhyas / Exercise

सही विकल्प बताएँ / Sahi vikalp batayein / Choose the correct option

1.भारत में कुल कितने राज्य हैं?

अ) 28

ब) 07

स) 31

द) 26

2.भारत की राजधानी कौन-सी है?

अ) मुंबई

ब) कोलकाता

स) नई दिल्ली

द) चेन्नई

3.भारत में कितनी मान्यता प्राप्त भाषाएँ हैं?

अ) 18

ब) 22

स) 25

द) 30

रिक्त स्थान भरें / Rikt sthaan bharein / Fill in the blanks

1.भारत का राष्ट्रीय फूल ____________ है ।

2.भारत का राष्ट्रीय पक्षी ____________ है ।

3.भारत का राष्ट्रीय पशु ____________ है ।

सही या गलत / Sahi ya galat / True or False

1.भारत एक लोकतांत्रिक देश है ।

2.भारत में केवल एक भाषा बोली जाती है ।

मिलान कीजिए / Milan kijiye / Match the Following

1.	भारत का राष्ट्रीय खेल	अ)	उत्तर में पर्वत
2.	भारत का राष्ट्रीय गान	ब)	मोर
3.	भारत का राष्ट्रीय गीत	स)	हॉकी
4.	हिमालय	द)	जन गण मन
5.	भारत का राष्ट्रीय पक्षी	e)	वंदे मातरम

************* *************

2 भारतीय फल, फूल एवं पेड़ / Bhartiya Phal, Phul evam Pedh / Indian Fruits, Flowers and Trees

1. फलों के नाम/ Phalon ke naam/ Name of fruits

आम / Aam / Mango

केला / Kela / Banana

सेब / Seb / Apple

अनार / Anaar / Pomegranate

संतरा / Santara / Orange

अंगूर / Angoor / Grapes

अमरूद / Amrood / Guava

पपीता / Papita / Papaya

लीची / Lichi / Litchi

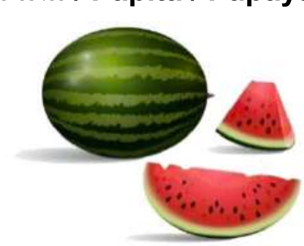

तरबूज / Tarbooj / Watermelon

फूलों के नाम / Phoolo ke naam / Name of Flowers

कमल / **Kamal / Lotus**

गुलाब / **Gulab / Rose**

गेंदा / **Genda / Marigold**

सूरजमुखी / **Soorajmukhi / Sunflower**

पारिजात / / **Parijat / Coral Jasmine**

रजनीगंधा / **Rajnigandha / Tuberose**

कचनार / **Kachnar /Orchid**

हरसिंगार / **Harsingar / Night Jasmine**

मोगरा / **Mogra / Arabian Jasmine**

चमेली / **Chameli / Jasmine**

पेड़ के नाम / Pedh ke naam / Name of Trees

क्रम	नाम / Naam / Name	विशेषताएँ / Features
1	 **नीम / Neem / Azadirachta indica**	• यह पेड़ स्वाद में कड़वा, औषधीय गुणों से भरपूर है । • Yah ped svaad mein kadava, aushadhya gunon se bharapur hai. • This tree is bitter in taste and full of medicinal properties.
2	 **पीपल / Peepal / Sacred Fig**	• यह पेड़ दिन-रात ऑक्सीजन देता है । • Yah ped din-rat oxygen deta hai. • This tree gives oxygen day and night.
3	 **बरगद / Bargad / Banyan**	• यह भारत का राष्ट्रीय वृक्ष है, इसकी जटाएँ नीचे लटकती हैं । • Yeh Bharat ka rashtriya vriksh hai, iski jatayein niche latakti hain. • It is the national tree of India, its roots hang down.

4	 **सागौन / Saguan / Teak**	• इसकी मज़बूत लकड़ियाँ का उपयोग फर्नीचर और नाव बनाने में होता हैं । • Isaki majabut lakadiyon ka upayogee pharnichar aur naav banana hota hai. • Its strong wood is useful for making furniture and boats.
5	 **आम / Aam / Mango**	• आम एक स्वादिष्ट फल है, इस पेड़ की लकड़ियाँ भी उपयोगी होती हैं । • Aam ek svadisht phal hai, is ped kee lakadiyan bhi upayogi hoti hain. • Mango is a delicious fruit, the wood of this tree is also useful.
6	 **गुलमोहर / Gulmohar / Gulmohar**	• इसके फूल लाल और नारंगी रंग के होते हैं, गर्मियों में पेड़ फूलों से ढका होता है । • Isake phool laal aur narangi rang ke hote hain, garmiyon mein ped phoolon se dhaka hota hai. • Its flowers are red and orange in colour, the tree is covered with flowers in summer.

7	 **शहतूत / Shahtoot / Mulberry**	• इसकी पत्तियों का उपयोग रेशम के कीड़ों के पालन के लिए किया जाता है। • Isaki pattiyon ka upayog resham ke keedon ke palan ke lie kiya jaata hai. • Its leaves are used for rearing silkworms.
8	 **चंदन / Chandan / Sandal**	• इसकी लकड़ी खुशबूदार और कीमती होती है, जिसका उपयोग पूजा व इत्र में किया जाता है । • Isaki lakadi khusbudar aur kimati hoti hai, jisaka upayog pooja aur itra mein kiya jata hai. • Its wood is precious and used in worship and perfumes.
9	 **इमली / Imli / Tamarind**	• इसका फल खट्टा होता है । इसका उपयोग खाने और औषधियों में होता है । • Isaka phal khatta hota hai. isaka upayog khaane aur aushadhiyon mein hota hai. • Its fruit is sour. It is used in food and medicines.

अभ्यास /Abhyas/ Exercise

चित्र देखकर नाम लिखें / Chitra dekhkar nam likhen / Look at the picture and write the name

1.

____

2.

____

3.

____

4.

____

5.

____

6.

____

मिलान कीजिए / Milan kijiye / Match the following

1. अमरूद	•	
2. संतरा	•	
3. अंगूर	•	
4. पपीता	•	

प्रत्येक फूल का नाम लिखिए / Pratyek phul ka naam likhiye / Write the name of each flower

1.

____

2.

____

3.

____

4.

____

सही विकल्प चुनें / Sahi vikalp chunein / Choose the correct option

भारत का राष्ट्रीय वृक्ष कौन-सा है?

अ. पीपल

ब. आम

स. बरगद

द. नीम

किस पेड़ के पत्ते से रेशम के कीड़े पाले जाते हैं?

अ. नीम

ब. चंदन

स. शहतूत

द. सागौन

सागौन की लकड़ी कहाँ काम आती है?

अ. भोजन में

ब. फूलों में

स. फर्नीचर में

द. खेती में

रिक्त स्थान भरें / Rikt sthan bharen / Fill in the blanks

1. चंदन की लकड़ी ________ होती है ।

2. पीपल का पेड़ ________ देता है ।

3. आम का फल ________ कहलाता है ।

संवाद / Samvad / Conversation

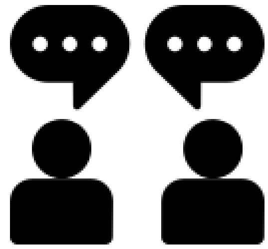

मीना : शुभ प्रभात ! आर्यन ! कैसे हो?
Meena: Shubh prabhaat! Aaryan! Kaise ho?
Meena: Hello Aryan! How are you?

आर्यन : शुभ प्रभात ! मीना! मैं ठीक हूँ । तुम कैसी हो?
Aaryan: Shubh prabhaat! Meena! Main theek hoon. Tum kaisi ho?
Aryan: Hello Meena! I’m fine. How are you?

मीना : मैं भी ठीक हूँ । आर्यन, तुम्हें सबसे ज़्यादा कौन-सा फल पसंद है?
Meena : Main bhi theek hoon. Aaryan, tumhein sabse zyada kaun-sa phal pasand hai?
Meena : I’m fine too. Aryan, which fruit do you like the most?

आर्यन : मुझे आम बहुत पसंद है । वह बहुत मीठा और रसीला होता है ।
Aaryan: Mujhe aam bahut pasand hai. Vah bahut meetha aur rasila hota hai.
Aryan: I really like mango. It’s very sweet and juicy.

मीना: अच्छा ! मैं तो रोज़ एक सेब खाती हूँ ।
Meena: Accha! Main to roz ek seb khaati hoon.
Meena: Ok ! I eat an apple every day.

आर्यन: हाँ, फल खाना सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है ।
Aaryan: Haan, phal khaana sehat ke liye bahut accha hota hai.
Aryan: Yes, eating fruits is very good for health.

************* *************

3

भारतीय सब्जियाँ / Bhartiye Sabjiyan / Indian Vegetables

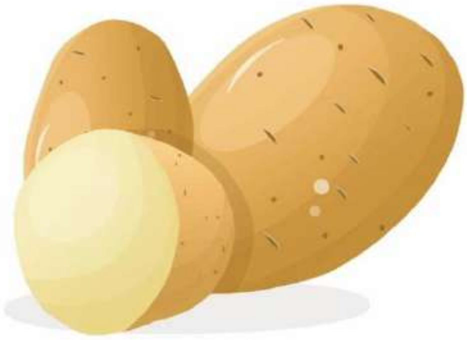

आलू / Aloo / Potato

टमाटर / Tamatar / Tomato

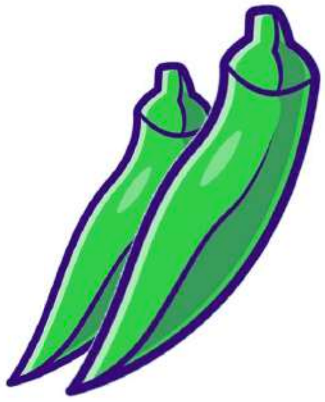

भिंडी / Bhindi / Ladyfinger

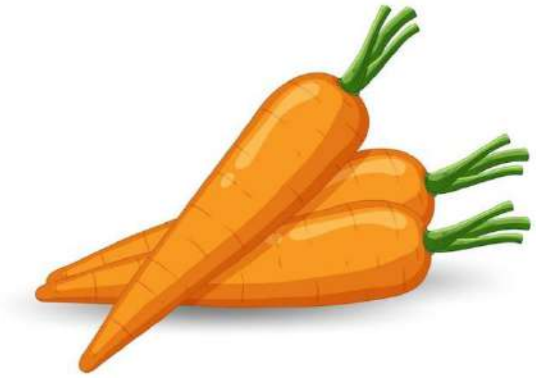

गाजर / Gajar / Carrot

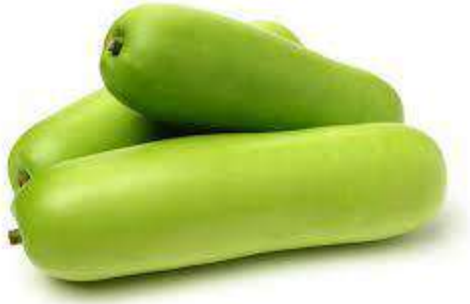

लौकी / Lauki / Bottle Gourd

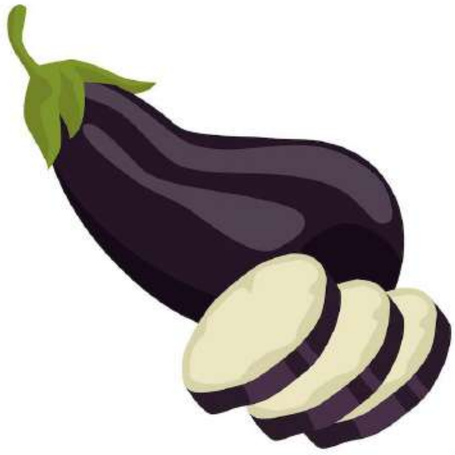

बैंगन / Baingan / Brinjal

शिमला मिर्च / Shimla Mirch / Capsicum

मटर / Matar / Peas

फूलगोभी / Phoolgobhi / Cauliflower

पालक / Palak / Spinach

अभ्यास / Abhyas / Exercise

सही विकल्प चुनें / Sahi vikalp chune / Choose the correct option

इनमें से कौन-सी एक सब्ज़ी है?

अ) आम

ब) टमाटर

स) अंगूर

द) सेब

आलू किस रंग का होता है?

अ) सफेद

ब) पीला

स) भूरा

द) नीला

गाजर किस रंग की होती है?

अ) लाल

ब) पीली

स) नीली

द) हरी

मटर के दाने किस रंग के होते हैं?

अ) पीले

ब) हरे

स) लाल

द) भूरे

मिलान कीजिए / Milan kijiye / Match the Following

1.		• गोल और लाल
2.		• भूरा
3.		• नारंगी
4.		• हरे दाने

चित्र पहचानिए और लिखिए / Chitra pahchaniye aur likhiye / Identify the picture and write the name

____

____

संवाद / Samvad / Conversation

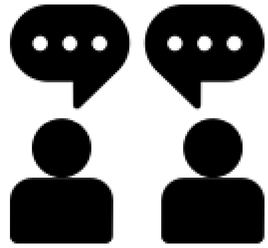

माँ: बेटा ! तुम आ गए?
Maa: Beta! Tum aa gaye?
Mother: Son! You're back?

बच्चा: हाँ माँ, मैं सब्ज़ी लेकर आ गया ।
Baccha: Haan maa, main sabzi lekar aa gaya.
Child: Yes Mom, I've brought the vegetables.

माँ: बहुत अच्छा ! क्या तुमने सारी ज़रूरी सब्ज़ियाँ खरीद लीं?
Maa: Bahut accha! Kya tumne saari zaroori sabziyaan kharid lin?
Mother: Very good! Did you buy all the necessary vegetables?

बच्चा: हाँ माँ, मैंने आलू, टमाटर और भिंडी खरीदी । सब ताज़ी और अच्छी थीं ।
Baccha: Haan maa, maine aaloo, tamatar aur bhindi kharidi. Sab tazi aur acchi thin.
Child: Yes Mom, I bought potatoes, tomatoes, and ladyfinger. They were all fresh and good.

माँ: बहुत बढ़िया! बचे हुए पैसे कहाँ रखे तुमने ?
Maa: Bahut badhiya! Bache hue paise kahan rakhe tumne?
Mother: Very good! Where did you keep the remaining money?

बच्चा: बचे हुए पैसे मैंने तुम्हारे बटुए में रख दिए हैं ।
Baccha: Bache hue paise maine tumhare batuye mein rakh diye hain.
Child: I put the remaining money in your purse.

माँ: शाबाश मेरे बेटे ! अब मैं स्वादिष्ट खाना बनाती हूँ ।
Maa: Shabash mere bete! Ab main swadisht khana banati hoon.
Mother: Well done, my son! Now I'll cook a delicious meal.

बच्चा: माँ, आज आलू की सब्ज़ी बनाना । मुझे बहुत पसंद है ।
Baccha: Maa, aaj aaloo ki sabzi banana. Mujhe bahut pasand hai.
Child: Mom, please make potato curry today. I really like it.

माँ: ज़रूर! आज तुम्हारी पसंद की सब्ज़ी ही बनेगी ।
Maa: Zaroor! Aaj tumhari pasand ki sabzi hi banegi.
Mother: Of course! Today I'll cook your favorite dish.

************* क ख Ka Kha Ga *************

4 भारतीय अनाज एवं मसालें / Bhartiya Anaj evam Masalein /Indian Grains and Spices

अनाज के नाम / Anaj ke naam / Name of Grains

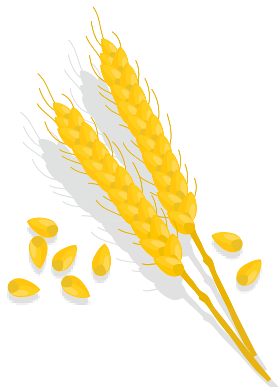
गेहूं / Gehun / Wheat

चावल / Chawal / Rice

जौ / Jau / Barley

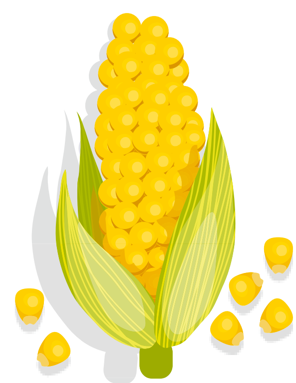
मक्का / Makka / Maize (Corn)

बाजरा / Bajra / Pearl Millet

ज्वार / Jwaar / Sorghum

दालों के नाम / Dalon ke Naam / Name of Pulses

 अरहर (तुअर) / Arhar (Tuar) / Pigeon Pea	 मसूर / Masoor / Red Lentil
 मूंग / Moong / Moong	 उड़द / Urad / Black Gram
 चना दाल / Chana daal/ Chickpea lentil	 राजमा / Rajma / Kidney Beans

मसालों के नाम / Masalon ke Naam / Name of Spices

हल्दी / Haldi / Turmeric

धनिया / Dhaniya / Coriander

मिर्च / Mirch / Chili

जीरा / Jeera / Cumin

सौंफ / Saunf / Fennel

लौंग / Laung / Clove

इलायची / Elaichi / Cardamom

काली मिर्च / Kali Mirch / Black Pepper

तेजपत्ता / Tejpatta / Bay Leaf

हींग / Hing / Asafoetida

अभ्यास / Abhyas / Exercise

चित्र देखकर नाम लिखें / Chitra dekhakar naam likhen / See the picture and write the name of spices

1.

____

2.

____

3.

____

4.

____

5.

____

6.

____

पाँच अनाजों के नाम लिखें / Panch anajon ke naam likhen / Write the name of five grains

1.

2.

3.

4.

5.

संवाद / Samvad / Conversation

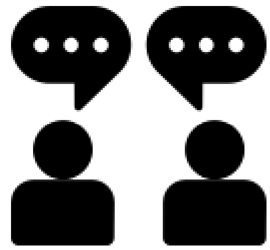

मीना : माँ, आज आप क्या बना रही हैं?
Meena : Maa, aaj aap kya bana rahi hain?
Meena : Mom, what are you cooking today?

माँ : आज मैं चावल, दाल और आलू की सब्ज़ी बना रही हूँ ।
Maa : Aaj main chawal, dal aur aloo ki sabzi bana rahi hoon.
Mother : Today I’m cooking rice, dal and potato curry.

मीना : कौन-सी दाल बना रही हैं?
Meena : Kaun-si daal bana rahi hain?
Meena : Which dal are you cooking?

माँ : आज मसूर दाल बना रही हूँ ।
Maa : Aaj masoor daal bana rahi hoon.
Mother : I’m cooking red lentils today.

मीना : और यह पीला मसाला क्या है?
Meena : Aur yeh pila masala kya hai?
Meena : And what is this yellow spice?

माँ : यह हल्दी है ।
Maa: Yeh haldi hai.
Mother: This is turmeric.

मीना: क्या ये पिसी हुई धनिया है?
Meena: Kya yeh pisi hui dhaniya hai?
Meena: Is this coriander powder?

माँ: बिल्कुल सही ! तुम तो अब मसाले पहचानने लगी हो ।

Maa : Bilkul sahi ! Tum to ab masale pehchanane lagi ho.
Mother : Absolutely right! You have started recognizing spices now.

मीना: माँ, ये कैसी खुशबू आ रही है ?
Meena : Maa, yeh kaisi khushbu aa rahi hai ?
Meena : Mom, what is this smell ?

माँ: यह हींग की खुशबू है, बेटा ।
Maa : Yeh hing ki khushbu hai, beta.
Mother : This is the aroma of asafetida dear.

मीना: हम हींग का उपयोग क्यों करते हैं?
Meena : ham hing ka upayog kyon karate hain?
Meena : Why do we use asafoetida?

माँ: यह भोजन को स्वादिष्ट बनाती है और पाचन में मदद करती है ।
Maa: Yeh bhojan ko swadisht banati hai aur pachan mein madad karti hai.
Mother: It makes food tasty and helps in digestion.

मीना: थोड़ी-सी हींग से इतनी महक !
Meena: Thodi-si hing se itni mehak !
Meena: So much fragrance from just a little asafoetida!

माँ : हाँ, इसे बहुत कम मात्रा में डालते हैं ।
Maa: Haan, ise bahut kam matra mein daalte hain.
Mother: Yes, we use only a small amount of it.

मीना : बहुत बढ़िया !

Meena : bahut badhiya !

Meena : Very nice!

************* *************

5 संख्याएँ / Sankhyaaen / Numbers

संख्याएँ दो प्रकार की होती हैं :

1. **गणनात्मक संख्याएँ –** ऐसी संख्याएँ जो गिनने के लिए उपयोग होती हैं । जैसे: एक, दो, तीन...
Gananatmak sankhyaen – Aisi sankhyen jo ginane ke lie upayog hoti hain. Jaise: ek, do, teen.
Cardinal Numbers - Numbers that are used to count. Examples: one, two, three...

2. **क्रमवाचक संख्याएँ –** ऐसी संख्याएँ किसी क्रम या स्थिति को दर्शाती हैं । जैसे: पहला, दूसरा, तीसरा...
Kramavaachak sankhyaen – Aisi sankhyen kisi kram ya sthiti ko darshati hain. jaise: pahala, doosara, teesara..
Ordinal numbers - Such numbers indicate some order or position. For example: first, second, third...

1 से 100 तक की संख्याएँ

संख्या	गणनात्मक संख्या	Roman (Cardinal)	English (Cardinal)	क्रमवाचक संख्या	Roman (Ordinal)	English (Ordinal)
1	एक	Ek	One	पहला	Pahala	First
2	दो	Do	Two	दूसरा	Dusara	Second
3	तीन	Teen	Three	तीसरा	Tisara	Third
4	चार	Chaar	Four	चौथा	Chautha	Fourth
5	पाँच	Paanch	Five	पाँचवाँ	Panchvan	Fifth
6	छह	Chhah	Six	छठा	Chhatha	Sixth

7	सात	Saat	Seven	सातवाँ	Saatvan	Seventh
8	आठ	Aath	Eight	आठवाँ	Aathvan	Eighth
9	नौ	Nau	Nine	नौवाँ	Nauvan	Ninth
10	दस	Das	Ten	दसवाँ	Dasvan	Tenth
11	ग्यारह	Gyaarah	Eleven	ग्यारहवाँ	Gyarahvan	Eleventh
12	बारह	Baarah	Twelve	बारहवाँ	Barahvan	Twelfth
13	तेरह	Terah	Thirteen	तेरहवाँ	Terahvan	Thirteenth
14	चौदह	Chaudah	Fourteen	चौदहवाँ	Chaudahvan	Fourteenth
15	पंद्रह	Pandrah	Fifteen	पंद्रहवाँ	Pandrahvan	Fifteenth
16	सोलह	Solah	Sixteen	सोलहवाँ	Solahvan	Sixteenth
17	सत्रह	Satrah	Seventeen	सत्रहवाँ	Satrahvan	Seventeenth
18	अठारह	Athaarah	Eighteen	अठारहवाँ	Atharahvan	Eighteenth
19	उन्नीस	Unnees	Nineteen	उन्नीसवाँ	Unnisvan	Nineteenth
20	बीस	Bees	Twenty	बीसवाँ	Bisvan	Twentieth
21	इक्कीस	Ikki s	Twenty-one	इक्कीसवाँ	Ikkisvan	Twenty-first
22	बाईस	Baees	Twenty-two	बाईसवाँ	Baisvan	Twenty-second
23	तेईस	Teiees	Twenty-three	तेईसवाँ	Teisvan	Twenty-third
24	चौबीस	Chaubees	Twenty-four	चौबीसवाँ	Chaubisvan	Twenty-fourth
25	पच्चीस	Pachchees	Twenty-five	पच्चीसवाँ	Pachchisvan	Twenty-fifth
26	छब्बीस	Chhabbees	Twenty-six	छब्बीसवाँ	Chhabisvan	Twenty-sixth
27	सत्ताईस	Sattaees	Twenty-seven	सत्ताईसवाँ	Sattaisvan	Twenty-seventh
28	अट्ठाईस	Atthaeess	Twenty-eight	अट्ठाईसवाँ	Atthaisvan	Twenty-eighth
29	उनतीस	Unatees	Twenty-nine	उनतीसवाँ	Unatisvan	Twenty-ninth
30	तीस	Tees	Thirty	तीसवाँ	Tisvan	Thirtieth
31	इकतीस	Ikattees	Thirty-one	इकतीसवाँ	Ikattisvan	Thirty-first
32	बत्तीस	Battees	Thirty-two	बत्तीसवाँ	Battisvan	Thirty-second
33	तैंतीस	Taintees	Thirty-three	तैंतीसवाँ	Taintisvan	Thirty-third
34	चौंतीस	Chauntees	Thirty-four	चौंतीसवाँ	Chauntisvan	Thirty-fourth
35	पैंतीस	Paintees	Thirty-five	पैंतीसवाँ	Paintisvan	Thirty-fifth
36	छत्तीस	Chhattees	Thirty-six	छत्तीसवाँ	Chhattisvan	Thirty-sixth
37	सैंतीस	Saaintees	Thirty-seven	सैंतीसवाँ	Saaintisvan	Thirty-seventh
38	अड़तीस	Addhtees	Thirty-eight	अड़तीसवाँ	Addhteesvaan	Thirty-eighth
39	उनतालीस	Unatalis	Thirty-nine	उनतालीसवाँ	Unatalisvaan	Thirty-ninth

40	चालीस	Chalees	Forty	चालीसवाँ	Chaleesvaan	Fortieth
41	इकतालीस	Iktalis	Forty-one	इकतालीसवाँ	Iktalisvaan	Forty-first
42	बयालीस	Bayaalis	Forty-two	बयालीसवाँ	Bayaalisvaan	Forty-second
43	तैंतालीस	Taintalis	Forty-three	तैंतालीसवाँ	Taintalisvaan	Forty-third
44	चवालीस	Chavaalis	Forty-four	चवालीसवाँ	Chavaalisvaan	Forty-fourth
45	पैंतालीस	Paintalis	Forty-five	पैंतालीसवाँ	Paintalisvaan	Forty-fifth
46	छियालीस	Chhiyaalis	Forty-six	छियालीसवाँ	Chhiyaalisvaan	Forty-sixth
47	सैंतालीस	Saintalis	Forty-seven	सैंतालीसवाँ	Saintalisvaan	Forty-seventh
48	अड़तालीस	Adhtaalis	Forty-eight	अड़तालीसवाँ	Adhtaalisvaan	Forty-eighth
49	उनचास	Unchaas	Forty-nine	उनचासवाँ	Unchaasvaan	Forty-ninth
50	पचास	Pachaas	Fifty	पचासवाँ	Pachaasvaan	Fiftieth
51	इक्यावन	Ikyaavan	Fifty-one	इक्यावनवाँ	Ikyaavanvaan	Fifty-first
52	बावन	Baavan	Fifty-two	बावनवाँ	Baavanvaan	Fifty-second
53	तिरपन	Tirpan	Fifty-three	तिरपनवाँ	Tirpanvaan	Fifty-third
54	चौवन	Chauvan	Fifty-four	चौवनवाँ	Chauvanvaan	Fifty-fourth
55	पचपन	Pachpan	Fifty-five	पचपनवाँ	Pachpanvaan	Fifty-fifth
56	छप्पन	Chhappan	Fifty-six	छप्पनवाँ	Chhappanvaan	Fifty-sixth
57	सत्तावन	Sattaavan	Fifty-seven	सत्तावनवाँ	Sattaavanvaan	Fifty-seventh
58	अट्ठावन	Atthaavan	Fifty-eight	अट्ठावनवाँ	Atthaavanvaan	Fifty-eighth
59	उनसठ	Unasath	Fifty-nine	उनसठवाँ	Unasathvaan	Fifty-ninth
60	साठ	Saath	Sixty	साठवाँ	Saathvaan	Sixtieth
61	इकसठ	Ikasath	Sixty-one	इकसठवाँ	Ikasathvaan	Sixty-first
62	बासठ	Baasath	Sixty-two	बासठवाँ	Baasathvaan	Sixty-second
63	तिरेसठ	Tireesath	Sixty-three	तिरेसठवाँ	Tireesathvaan	Sixty-third
64	चौंसठ	Chaunsath	Sixty-four	चौंसठवाँ	Chaunsathvaan	Sixty-fourth
65	पैंसठ	Painsath	Sixty-five	पैंसठवाँ	Painsathvaan	Sixty-fifth
66	छियासठ	Chhiyaasath	Sixty-six	छियासठवाँ	Chhiyaasathvaan	Sixty-sixth
67	सड़सठ	Sadasath	Sixty-seven	सड़सठवाँ	Sadasathvaan	Sixty-seventh
68	अड़सठ	Adasath	Sixty-eight	अड़सठवाँ	Adasathvaan	Sixty-eighth
69	उनहत्तर	Unhattar	Sixty-nine	उनहत्तरवाँ	Unhattarvaan	Sixty-ninth
70	सत्तर	Sattar	Seventy	सत्तरवाँ	Sattarvaan	Seventieth
71	इकहत्तर	Ikahattar	Seventy-one	इकहत्तरवाँ	Ikahattarvaan	Seventy-first
72	बहत्तर	Bahattar	Seventy-two	बहत्तरवाँ	Bahattarvaan	Seventy-second
73	तिहत्तर	Tihattar	Seventy-three	तिहत्तरवाँ	Tihattarvaan	Seventy-third

74	चौहत्तर	Chauhattar	Seventy-four	चौहत्तरवाँ	Chauhattarvaan	Seventy-fourth
75	पचहत्तर	Pachhattar	Seventy-five	पचहत्तरवाँ	Pachhattarvaan	Seventy-fifth
76	छिहत्तर	Chhihattar	Seventy-six	छिहत्तरवाँ	Chhihattarvaan	Seventy-sixth
77	सतहत्तर	Satahattar	Seventy-seven	सतहत्तरवाँ	Satahattarvaan	Seventy-seventh
78	अठहत्तर	Athahattar	Seventy-eight	अठहत्तरवाँ	Athahattarvaan	Seventy-eighth
79	उन्यासी	Unyaasi	Seventy-nine	उन्यासीवाँ	Unyaasivaan	Seventy-ninth
80	अस्सी	Assi	Eighty	अस्सीवाँ	Assivaan	Eightieth
81	इक्यासी	Ikyaasi	Eighty-one	इक्यासीवाँ	Ikyaasivaan	Eighty-first
82	बयासी	Bayaasi	Eighty-two	बयासीवाँ	Bayaasivaan	Eighty-second
83	तिरासी	Tiraasi	Eighty-three	तिरासीवाँ	Tiraasivaan	Eighty-third
84	चौरासी	Chauraasi	Eighty-four	चौरासीवाँ	Chauraasivaan	Eighty-fourth
85	पचासी	Pachaasi	Eighty-five	पचासीवाँ	Pachaasivaan	Eighty-fifth
86	छियासी	Chhiyaasi	Eighty-six	छियासीवाँ	Chhiyaasivaan	Eighty-sixth
87	सत्तासी	Sattaasi	Eighty-seven	सत्तासीवाँ	Sattaasivaan	Eighty-seventh
88	अट्ठासी	Atthaasi	Eighty-eight	अट्ठासीवाँ	Atthaasivaan	Eighty-eighth
89	नवासी	Navaasi	Eighty-nine	नवासीवाँ	Navaasivaan	Eighty-ninth
90	नब्बे	Nabbe	Ninety	नब्बेवाँ	Nabbevaan	Ninetieth
91	इक्यानबे	Ikyaanabe	Ninety-one	इक्यानबेवाँ	Ikyaanabevaan	Ninety-first
92	बानबे	Baanabe	Ninety-two	बानबेवाँ	Baanabevaan	Ninety-second
93	तिरानबे	Tiraanabe	Ninety-three	तिरानबेवाँ	Tiraanabevaan	Ninety-third
94	चौरानबे	Chauraanabe	Ninety-four	चौरानबेवाँ	Chauraanabevaan	Ninety-fourth
95	पंचानबे	Panchaanabe	Ninety-five	पंचानबेवाँ	Panchaanabevaan	Ninety-fifth
96	छियानबे	Chhiyaanabe	Ninety-six	छियानबेवाँ	Chhiyaanabevaan	Ninety-sixth
97	सत्तानबे	Sattaanabe	Ninety-seven	सत्तानबेवाँ	Sattaanabevaan	Ninety-seventh
98	अट्ठानबे	Atthaanabe	Ninety-eight	अट्ठानबेवाँ	Atthaanabevaan	Ninety-eighth
99	निन्यानबे	Ninyaanabe	Ninety-nine	निन्यानबेवाँ	Ninyaanabevaan	Ninety-ninth
100	सौ	Sau	One hundred	सौवाँ	Sauvaan	Hundredth

अभ्यास / Abhyas / Exercise

सही विकल्प चुनें / Sahi vikalp chune / Choose the correct option

1. "पाँचवाँ" कौन-सी संख्या है?

अ. पाँच

ब. पचास

स. पचपन

द. पंद्रह

2. "अट्ठाईसवाँ" की गणनात्मक संख्या क्या होगी?

अ. अट्ठारह

ब. अट्ठाईस

स. अठहत्तर

द. अड़तीस

3. "उनहत्तर" की क्रमवाचक संख्या क्या है?

अ. उनहत्तर

ब. उनहत्तरवाँ

स. उनहत्तरवा

द. उनहत्तरवीं

4. "पहला", "दूसरा", "तीसरा" ये किस प्रकार की संख्याएँ हैं?

अ. गणनात्मक संख्या

ब. दशमलव संख्या

स. क्रमवाचक संख्या

द. प्रतिशत

5. निम्न में से कौन-सी गणनात्मक संख्या नहीं है?

अ. इकतीस

ब. तैंतीसवाँ

स. पैंतीस

द. अड़तालीस

6. यदि कोई छात्र चौबीसवाँ स्थान प्राप्त करता है, तो वह किस संख्या पर है?

अ. चौबीस

ब. चौदह

स. चौंतीस

द. उन्नीस

************* *************

6 गणितीय चिह्न / Ganitiya chihn / Mathematical Symbol

चिह्न	हिंदी	Roman	English	अर्थ / उपयोग (Meaning / Usage)
+	जोड़ / धन का चिह्न	Jod / dhan ka chihn	Sign of Plus	• योग के लिए या धनात्मक संख्या दिखाने के लिए उपयोग किया जाता है । • Yog ke lie ya dhanatmak sankhya dikhane ke lie upayog kiya jata hai. • Used for addition or to show a positive number.
-	घटाव / ऋण का चिह्न	Ghataav / rin ka chihn	Sign of Minus	• घटाने या ऋणात्मक संख्या दिखाने के लिए उपयोग किया जाता है । • Ghatane ya rinatmak sankhya dikhane ke lie upayog kiya jaata hai. • Used for subtraction or to show a negative number.
×	गुणा का चिह्न	Guna ka chihn	Sign of Multiply	• दो संख्याओं को गुणा करने के लिए उपयोग किया जाता है । • Do sankhyaon ko guna karane ke lie upayog kiya jata hai. • Used to multiply two numbers.
÷	भाग का चिह्न	Bhag ka chihn	Sign of Divide	• एक संख्या को दूसरी संख्या से विभाजित करने के लिए उपयोग किया जाता है । • Ek sankhya ko dusari sankhya se vibhajit karane ke lie upayog kiya jata hai. • Used to divide one number by another.
=	बराबर का चिह्न	Barabar ka chihn	Sign of Equal	• जब दोनों पक्ष बराबर हों तब इसका प्रयोग किया जाता है । • Jab donon paksh barabar hon tab isaka prayog kiya jaata hai. • Used when both sides are equal.

%	प्रतिशत का चिह्न	Pratishata ka chihn	Sign of Percent	• 100 में से एक भाग को दर्शाने के लिए उपयोग किया जाता है । • 100 mein se ek bhaag ko darshaane ke lie upayog kiya jaata hai. • Used to denote a part out of 100.

अभ्यास / Abhyas / Exercise

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए / Nimnalikhit prashnon ke uttar dijiye / Answer the following questions

1. + 7 का क्या अर्थ है?
2. – 4 किस प्रकार की संख्या है?

नीचे दिए गए गणितीय चिह्नों के नाम लिखें / Niche die gaye ganitiya chihno ke naam likhen/ Write the names of the mathematical symbols given below:

1. +
2. −
3. ×
4. ÷
5. =

************* *************

7 भावनाओं से जुड़े शब्द / Bhavnaon se jude shabd / Words related to emotions

हँसना / Hansna / To Laugh

मुस्कुराना / Muskurana / To Smile

रोना / Rona / To Cry

गुस्सा / Gussa / Angry

डर / Dar / Fear

प्यार / Pyaar / Love

चौंकना / Chaunkna / Surprised

कविता / kavita / Poem

अनोखा दिन / Anokha Din / Unique Day

हिंदी	Roman	English
आज का दिन बड़ा अनोखा था ।	Aaj ka din bada anokha tha.	Today was a special day.
मैं सुबह मुस्कराया, क्योंकि सूरज बहुत प्यारा था ।	Main subah muskaraya, kyunki sooraj bahut pyaara tha.	I smiled in the morning, because the sun looked so nice.
फिर मैं डर गया, जब कुत्ता भौंका जोर से ।	Phir main dar gaya, jab kutta bhaunka jor se.	Then I got scared, when a dog barked loudly.
थोड़ी देर मैं उदास हुआ, क्योंकि मेरी पेंटिंग गिर गई दीवार से ।	Thodi der main udaas hua, kyunki meri painting gir gayi deewar se.	After that, I felt sad because my painting fell down.
दोपहर में मैं खुश हुआ, जब दोस्त मिलने आए ।	Dopahar mein main khush hua, jab dost milne aaye.	In the afternoon, I was happy when friends came over.
हम सबने खूब खेला और नाचे-गाए ।	Hum sabne khoob khela aur naache-gaaye.	We played a lot and danced and sang.
फिर मैं चौंक गया, जब अचानक बिजली गई ।	Phir main chaunk gaya, jab achanak bijli gayi.	I was surprised when the lights suddenly went out.
शाम को दादी ने कहानी सुनाई, मैं हँसा और चैन से सो गया ।	Shaam ko dadi ne kahani sunayi, main hansa aur chain se so gaya.	In the evening, Grandma told a story. I laughed and slept peacefully.
कितना भावनाओं से भरा था मेरा दिन!	Kitna bhavnaon se bhara tha mera din!	So many feelings in one day!

अभ्यास / Abhyas / Exercise

नीचे दिए चित्रों के भाव पहचानें / Niche diye chitron ke bhav pahchane / Identify the expressions for the pictures given below

1.

____

2.

____

3.

____

4.

____

शब्दावली / Shabdavali / Vocabulary

हिंदी	Roman	English
मुस्कराया	Muskuraya	Smiled
डर गया	Dar gaya	Got scared
उदास हुआ	Udaas hua	Felt sad
खुश हुआ	Khush hua	Felt happy
हँसा	Hansa	Laughed
सो गया	So gaya	Slept
भौंकना	Bhaunkna	Bark

संवाद / Samvad / Conversation

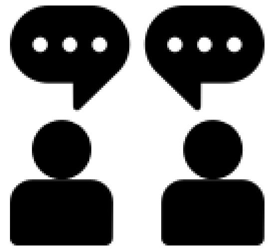

रीता: नमस्ते काव्या ! आज सुबह कैसी रही तुम्हारी?
Rita: Namaste Kavya ! Aaj subah kaisi rahi tumhari?
Rita: Hello Kavya ! How was your morning today?

काव्या: अरे रीता, मेरा दिन तो बहुत अच्छा शुरू हुआ !
Kavya: Are Rita, mera din to bahut achha shuru hua !
Kavya: Hey Rita, my day started so well !

रीता: सच में?
Rita: Sach mein?
Rita: Really?
काव्या: सुबह मैंने बगीचे में रंग-बिरंगे फूल देखे और इतनी खुश हुई कि नाचने का मन हुआ ।
Kavya: Subah maine bagiche mein rang-birange phool dekhe aur itni khush hui ki nachne ka man hua.
Kavya: In the morning, I saw colorful flowers in the garden and felt so happy I wanted to dance.

रीता: वाह, कितना सुंदर ! फिर क्या हुआ?
Rita: Wah, kitna sundar! Phir kya hua?
Rita: Wow, how beautiful! What happened next?

काव्या: फिर थोड़ा डर लग गया, क्योंकि एक मधुमक्खी मेरे पास भिनभिनाई ।
Kavya: Phir thoda dar lag gaya, kyunki ek madhumakkhi mere pas bhinbhinai.
Kavya: Then I got a bit scared because a bee buzzed near me.

रीता: अरे! फिर तूने क्या किया?
Rita: Are! Phir tune kya kiya?
Rita: Oh! What did you do then?

काव्या: मैं भागकर घर आई, लेकिन फिर उदास हो गई, क्योंकि तुरंत वहाँ से आना मुझे अच्छा नहीं लगा ।

Kaavya: Main bhaagkar ghar aai, lekin phir udaas ho gai, kyonki turant vahan se aana mujhe achchha nahin laga

Kavya: I ran and came home, but then became sad because I did not like coming back from there immediately.

रीता: ओह, यह तो दुख की बात है । फिर कुछ अच्छा हुआ?

Rita: Oh, yeh to dukh ki baat hai. Phir kuch achha hua?

Rita: Oh, that's sad. Did something good happen after that?

काव्या: हाँ ! दोपहर में मेरे दोस्त ने मुझे फोन किया और बताया कि उसने मेरे लिए तोहफा लिया है । मैं आश्चर्य और उत्साह से उछल पड़ी !

Kavya: Haan! Dopahar mein mere dost ne mujhe phone kiya aur bataya ki usne mere liye tohfa liya hai. Main ashcharya aur utsah se uchal padi !

Kavya: Yes! In the afternoon, my friend called and said he got me a gift. I jumped with surprise and excitement!

रीता: कितना मजेदार ! और शाम को क्या किया?

Rita: Kitna mazedar! Aur shaam ko kya kiya?

Rita: How exciting! What did you do in the evening?

काव्या: शाम को मैंने मम्मी-पापा के साथ पुरानी तस्वीरें देखीं । थोड़ी हँसी, थोड़ी रोई, फिर शांति महसूस हुई ।

Kavya: Shaam ko maine mummy-papa ke saath purani tasvirein dekhi. Thodi hansi, thodi royi, phir shanti mehsoos hui.

Kavya: In the evening, I looked at old photos with mom and dad. I laughed a bit, cried a bit, and then felt peaceful.

रीता: काव्या, तुम्हारा दिन तो भावनाओं का इंद्रधनुष था !

Rita: Kavya, tumhara din to bhavnaon ka indradhanush tha !

Rita: Kavya, your day was like a rainbow of emotions !

************* *************

8 पर्यायवाची शब्द / Paryayvachi Shabd / Synonym words

बहुत अनेक

- वैसे शब्द जिनके अर्थ में समानता होती है, उन्हें 'समानार्थक' या 'पर्यायवाची शब्द' कहते हैं । पर्यायवाची शब्दों में प्रत्येक शब्द की अपनी विशेषता होती है और भाव में एक-दूसरे से थोड़े भिन्न होते हैं ।
- Vaise shabd jinake arth mein samanata hoti hai, unhen samanarthak ya paryaayavachi shabd kahate hain. Paryaayavachi shabdon mein pratyek shabd ki apani visheshata hoti hai aur bhaav mein ek-doosare se thode bhinn hote hain
- Words which have similar meanings are called 'synonyms'. Each word in synonyms has its own specialty and is slightly different from each other in meaning.

पर्यायवाची शब्द / Paryayvachi Shabd / Synonyms words

सूर्य	सूरज, दिनकर, रवि	**Soorya:** Sooraj, Dinkar, Ravi	Sun
जल	पानी, नीर, सलिल	**Jal:** Pani, Neer, Salil	Water
अग्नि	आग, अनल, ज्वाला	**Agni:** Aag, Anal, Jwaala	Fire

बुद्धिमान	समझदार, चतुर, होशियार	**Buddhiman:** Samajhdaar, Chatur, Hoshiyaar	Intelligent
राजा	नरेश, भूपति, सम्राट	**Raja:** Naresh, Bhoopati, Samraat	King
पृथ्वी	धरती, जमीन, भू	**Prithvi:** Dharti, Zameen, Bhoo	Earth
हवा	पवन, वायु, समीर	**Hawa:** Pavan, Vaayu, Sameer	Air
बालक	बच्चा, शिशु	**Baalak:** Bachcha, Shishu	Child
घर	आवास, मकान, भवन	**Ghar:** Aavaas, Makaan, Bhavan	House
पर्वत	पहाड़, गिरि, अचल	**Parvat:** Pahaad, Giri, Achal	Mountain
पत्थर	पाषाण, उपल	**Patthar:** Paashaan, Upal	Stone
आकाश	गगन, अंबर, आसमान	**Aakash:** Gagan, Ambar, Aasmaan	Sky

साँप	सर्प, नाग, विषधर	**Saanp:** Sarp, Naag, Vishdhar	Snake
जंगल	वन, कानन, अरण्य	**Jungle:** Van, Kanan, Aranya	Forest
अमृत	सुधा, सोम, पीयूष	**Amrit:** Sudha, Som, Peeyoosh	Nectar

अभ्यास / abhyaas / Exercises

सही पर्यायवाची शब्द चुनिए / Sahi paryaayvachi shabd chuniye / Choose the correct synonym

1. **'जल' का पर्यायवाची शब्द है –**

   अ) अग्नि

   ब) पानी

   स) धूप

2. **'सूर्य' का पर्यायवाची शब्द है –**

   अ) चाँद

   ब) दिनकर

   स) अंधकार

3. **'राजा' का पर्यायवाची शब्द नहीं है –**

   अ) सम्राट

   ब) मंत्री

   स) भूपति

4. **'अग्नि' का पर्यायवाची कौन-सा है?**

   अ) जल

   ब) वायु

   स) अनल

5. **'पृथ्वी' का पर्याय है**

   अ) आकाश

   ब) भू

   स) सूर्य

6. **'बालक' का पर्यायवाची कौन-सा है?**

   अ) बच्चा

   ब) वायु

   स) अग्नि

खाली स्थान भरें / khali sthan bharen / Fill in the blanks

1. अग्नि ______, ______
2. पृथ्वी ______, ______
3. बुद्धिमान ______, ______
4. पानी ______, ______
5. चाँद ______, ______
6. माँ ______, ______

मिलान कीजिए / Milan kijiye / Match the Following

1.	जल	●	वन
2.	चंद्रमा	●	नीर
3.	वायु	●	अनिल
4.	अग्नि	●	अनल
5.	पृथ्वी	●	भू

************* *************

9

विलोम शब्द / Vilom Shabd / Antonyms words

शब्द / Word	विलोम / Antonym
दिन / Din / Day	रात / Raat / Night
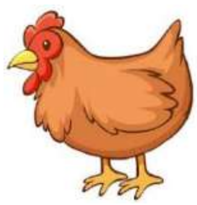 बड़ा / Bada / Big	छोटा / Chhota / Small
काला / Kala / Black	सफेद / Safed / White
गरम / Garam / Hot	ठंडा / Thanda / Cold
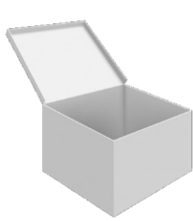 खुला / Khula / Open	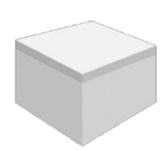 बंद / Band / Closed
नया / Naya / New	पुराना / Puraana / Old

सुख / Sukh / Happiness

दुख / Dukh / Sorrow

जल्दी / Jaldi / Early

देर / Der / Late

जीत / Jeet / Win

हार / Haar / Loss

सच / Sach / Truth

झूठ / Jhooth / Lie

हँसना / Hasna / To laugh

रोना / Rona / To cry

आना / Aana / To come

जाना / Jaana / To go

कविता / Kavita / Poem

एक दुनिया है अनोखी / Ek duniya hai anokhi / There is a unique world

हिंदी	Roman	English
एक दुनिया है अनोखी, जहाँ शब्द उलटे हैं,	Ek duniya hai anokhi, jahan shabd ulte hain,	A world so unique, where words are flipped and neat,
जहाँ दिन के आगे रात चले, और छोटे बनें बड़े ।	Jahan din ke aage raat chalein, aur chhote bade banen.	Where night comes before day, and small becomes big on repeat.
अगर कोई कहे "ऊँचा", तो उसका विलोम है "नीचा",	Agar koi kahe "ooncha", to uska vilom hai "neecha",	If someone says "high", then its antonym is "low",
"हँसी" है तो "रोना" भी है, यही तो है शब्दों की लीला!	"Hansi" ho to "rona" bhi hai, yahi to shabdon ki leela!	If there's “laughter,” then “crying” is there — oh what a magic of words!
"गरम" के साथ "ठंडा" आता, "अंधेरा" का साथी "उजाला",	"Garam" ke saath "thanda" aata, "andhera" ka saathi "ujala",	“Hot” comes with “cold,” “darkness” meets “light,”
"तेज़" दौड़ता "धीमा" रुकता, जैसे पानी और निवाला ।	"Tez" daudta "dhima" rukta, jaise pani aur nivala.	“Fast” runs ahead, “slow” takes a bite — like water and a bite.
"खुला–बंद", "सच–झूठ", "आना–जाना" सब जोड़े हैं प्यारे,	"Khula–band", "sach–jhooth", "aana–jaana" sab jode pyaare,	“Open–closed”, “true–false”, “come–go” are opposite pairs so lovely,
इन विलोम शब्दों की दुनिया में, सीखें शब्द हम सारे !	In vilomon shabdon ki duniya mein, sikhen shabd hum saare !	In this world of antonyms, let us learn all the words!

रिक्त स्थान भरें / Rikt sthan bharen / Fill in the Blanks

1. दिन का विलोम शब्द ________ है ।
2. सच का उल्टा ________ होता है ।
3. गरम का विलोम ________ होता है ।
4. जीत का विलोम ________ है ।
5. बड़ा का उल्टा ________ है ।

सही विलोम शब्द मिलाएँ / Sahi vilom shabd milaen / Match the correct antonym

1.	**ऊपर**	●	**जल्दी**
2.	**सुख**	●	**नीचे**
3.	**हार**	●	**दुख**
4.	**देर**	●	**जीत**
5.	**काला**	●	**सफेद**

शब्दावली / Shabdavali / Vocabulary

हिंदी	Roman	English
ऊँचा-नीचा	Ooncha-Neecha	High-Low
हँसना- रोना	Hansna-Rona	Laughter-Cry
गरम-ठंडा	Garam-Thanda	Hot-Cold
अंधेरा-उजाला	Andhera-Ujaala	Darkness-Light
तेज-धीमा	Tez-Dheema	Fast-Slow
खुला-बंद	Khula-Band	Open-Closed
सच-झूठ	Sach-Jhooth	Truth-Lie
आना-जाना	Aana-Jaana	Come-Go
छोटा-बड़ा	Chhota-Bada	Small-Big
दिन-रात	Din-Raat	Day-Night

संवाद / Samvad / Conversation

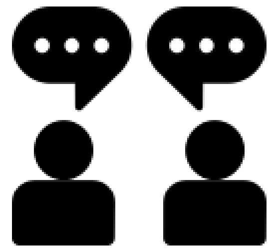

मोहन: सीमा, आज हम विलोम शब्दों का खेल खेलेंगे !
Mohan: Seema, aaj hum vilom shabdon ka khel khelenge !
Mohan: Seema, today we will play the game of opposites !

सीमा: वाह ! यह तो बढ़िया है । चलो खेलें !
seema: vaah! yah to badhiya hai.chalo khelen !
Seema: Wow! This is great. let's play !

मोहन: ठीक है, तो पहला शब्द है "गर्म" । अब इसका उल्टा क्या होगा?
Mohan: Theek hai, to pehla shabd hai "Garm". Ab iska ulta kya hoga?
Mohan: Okay, the first word is "Hot". Now what will be the opposite of this?

सीमा: "ठंडा"!
Seema: "Thanda"!
Seema: "Cold"!

मोहन: सही ! अब दूसरा शब्द है "उँचा" । इसका विलोम क्या होगा?
Mohan: Sahi! Ab doosra shabd hai "Uncha". Iska vilom kya hoga?
Mohan: Correct! Now, the second word is "high". What is the antonym of this?

सीमा: "नीचा"!
Seema: "Neecha"!
Seema: "low"!

मोहन: बिलकुल! अब अगला शब्द है "बड़ा" ।
Mohan: Bilkul! Ab agla shabd hai "Bada".
Mohan: Absolutely! Now, the next word is "Big".

सीमा: "छोटा"!
Seema: "Chhota"!
Seema: "Small"!

मोहन: अब "सच" पर आते हैं ।
Mohan: Ab "Sach" par aate hain.
Mohan: Now, let's move to "Truth".

सीमा: "झूठ" !
Seema: "Jhooth"!
Seema: "Lie"!

मोहन: वाह ! तुम तो विलोम शब्दों की मास्टर बन गई हो, सीमा !
Mohan: Wah! Tum to vilom shabdon ki master ban gayi ho, Seema!
Mohan: Wow! You have become a master of antonym, Seema!

सीमा: और तुम भी, मोहन ! इस खेल में हम दोनों जीत गए !
Seema: Aur tum bhi, Mohan ! Is khel mein hum dono jeet gaye !
Seema: And so have you, Mohan ! We both won in this game !

************* कखगKaKhaGa *************

10

स्थान एवं दिशा / Sthaan evam disha / Place and Direction

आगे / Aage / Front

पीछे / Pichhe / Behind

ऊपर / upar / Above

नीचे / niche / Below (Under)

अंदर / andar / In

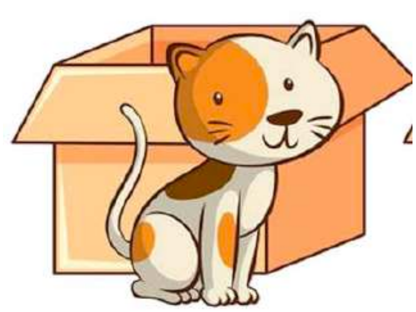

बाहर / bahar / Out

दिशा का ज्ञान / Disha ka Gyan / Knowledge of directions

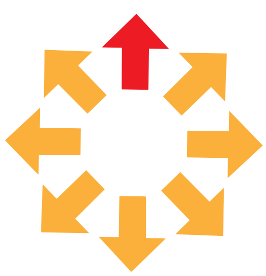	उत्तर	Uttar	North
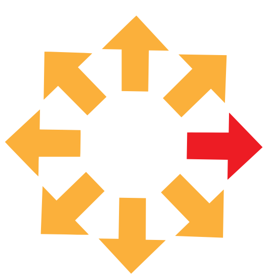	पूर्व	Poorv	East
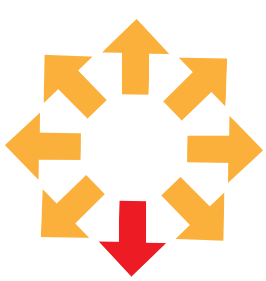	दक्षिण	Dakshin	South

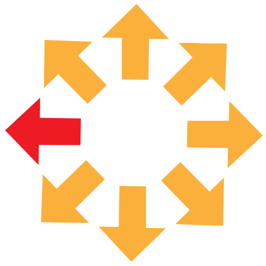	**पश्चिम**	**Paschim**	**West**
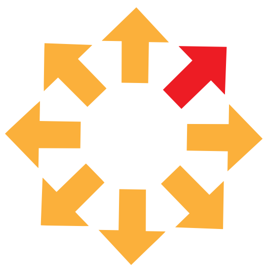	**उत्तर-पूर्व**	**Uttar-Poorv**	**North-East**
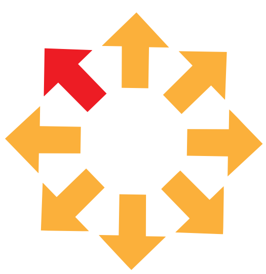	**उत्तर-पश्चिम**	**Uttar-Paschim**	**North-West**
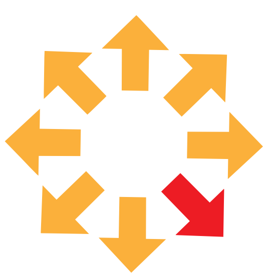	**दक्षिण-पूर्व**	**Dakshin-Poorv**	**South-East**
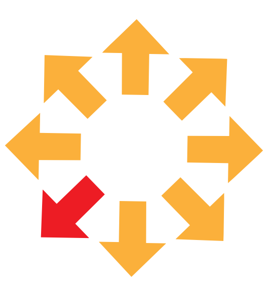	**दक्षिण-पश्चिम**	**Dakshin-Paschim**	**South-West**

अभ्यास / Abhyas / Exercises

सही दिशा भरें / Sahi disha bharein/ Fill in the correct direction

1. सूरज ______ दिशा में उगता है ।
2. उत्तर की विपरीत दिशा ______ होती है ।
3. कंपास, दिशा दिखाने वाला एक __________ है।
4. __________ वह दिशा है जहाँ सूरज डूबता है।

निम्न वाक्यों में स्थान को पहचानें / Nimna vakyon mein sthan ko pahachanen / Identify the place in the following sentences.

1.

बिल्ली मेज़ के नीचे बैठी है।

2.

किताब बस्ते के अंदर है।

3.

पानी की बोतल मेज़ पर रखी है।

4.

खिलौना कुर्सी के पीछे गिर गया।

5.

टॉफ़ी डिब्बे के ऊपर रखी है।

सही उत्तर चुनिए / Sahi uttar chuniye / Choose the correct answer

1.चाबी मेज़___ है।

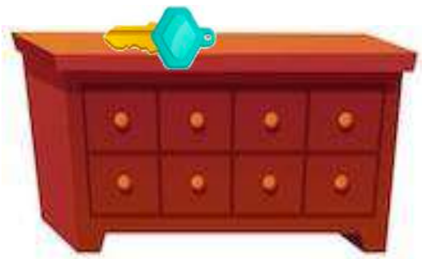

अ) के ऊपर

ब) के नीचे

स) के अंदर

2. जूते टेबल ___ नहीं हैं।

अ) पर

ब) के अंदर

स) के नीचे

3.पेन किताब___ रखा है।

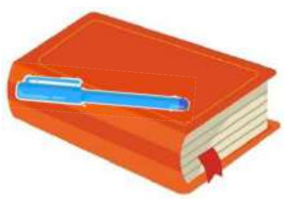

अ) के ऊपर

ब) के पीछे

स) के नीचे

4. सेब पोस्टर ------------ है।

अ) के ऊपर

ब) के सामने

स) के नीचे

संवाद / Samvad / Conversation

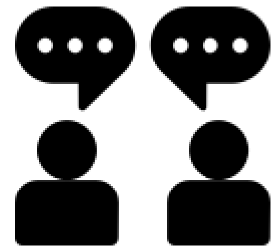

रवि : शुभ प्रभात ! नील कैसे हो?

Ravi : Shubh prabhaat! Neel Kaise ho?

Ravi: Hello Neel ! How are you?

नील : शुभ प्रभात ! रवि मैं ठीक हूँ । तुम कैसे हो?

Neel: Namaste Ravi! Main thik hoon. Tum kaise ho?

Neel: Hello Ravi! I’m fine. How are you?

रवि: मैं भी ठीक हूँ ।

Ravi: Main bhi thik hoon.

Ravi: Yes, I am fine too.

रवि : नील, तुम्हारा घर किस दिशा में है?

Ravi : Neel, tumhara ghar kis disha mein hai ?

Ravi : Neel, which direction is your house in?

नील : मेरा घर स्कूल से उत्तर दिशा में है ।

Neel :Mera ghar school se uttar disha mein hai.

Neel : My house is in the north direction from the school.

रवि: और मंदिर कहाँ है?

Ravi : Aur mandir kahan hai?

Ravi : And where is the temple?

नील : मंदिर स्कूल के पूर्व में है ।

Neel: Mandir school ke poorv mein hai.

Neel: The temple is to the east of the school.

रवि : धन्यवाद! अब मैं रास्ता नहीं भूलूँगा ।

Ravi: Dhanyavad! Ab main rasta nahin bhoolunga.

Ravi: Thanks! Now I won't forget the way.

************* *************

11

संज्ञा / Sangya / Noun

- जो शब्द किसी व्यक्ति, स्थान, वस्तु, जीव या भाव का नाम बताए, उसे **संज्ञा** कहते हैं ।
- Jo shabd kisi vyakti, sthan, vastu, jeev-jantu ya bhaav ka naam bataye, use **Sangya** kehte hain.
- A word that denote name of a person, place, thing, animal, or feeling is called a **noun**.

उदाहरण / Udharan / Examples:

राम / Ram / Ram

विद्यालय / vidyalaya / School

बच्चा / Baccha / child

प्यार / Pyar / Love

संज्ञा के प्रकार / Sangya ke prakar / Kinds of Noun

- **संज्ञा के मुख्यतः तीन प्रकार होते हैं ।**
- **Sangya ke mukhyatah teen prakar hote hain.**
- **There are mainly three types of Noun.**

1. **व्यक्तिवाचक संज्ञा / Vyaktivachak Sangya / Proper Noun**

- वह शब्द जो किसी विशेष व्यक्ति, स्थान या वस्तु का नाम बताता है, वह **व्यक्तिवाचक संज्ञा** कहलाता है ।
- Vah shabd jo kisi vishesh vyakti, sthaan ya vastu ka naam bataata hai use **vyaktivaachak sangya** kahate hain.
- A word that names a particular person, place or thing is called a **Proper Noun.**

उदाहरण / Udaharan / **Example: राम, दिल्ली, गंगा और ताजमहल आदि ।**

2. **जातिवाचक संज्ञा /Jativachak Sangya / Common Noun**

- वह शब्द जो किसी जाति या वर्ग का नाम बताता है उसे **जातिवाचक संज्ञा** कहते हैं।
- Vah shabd jo kisi jati ya varg ka naam batata hai use **jativachak sangya** kahate hain.
- The word which denote class or category is called **Common Noun.**

उदाहरण / Udaharan / Example: लड़का, शहर, नदी और किताब आदि।

3. भाववाचक संज्ञा / Bhavvachak Sangya /Abstract Noun

- वह शब्द जो किसी भाव, गुण या अवस्था को प्रकट करे उसे **भाववाचक संज्ञा** कहते हैं।
- Vah shabd jo kisi bhaav, gun ya avastha ko prakat kare use **Bhavvachak Sangya** kahate hain
- The word which expresses any feeling, quality or state is called **Abstract Noun.**

उदाहरण / Udaharan **/Example: प्यार, क्रोध, सुंदरता और दोस्ती आदि।**

अभ्यास / abhyas / Exercise

सही विकल्प चुनिए / Sahi Vikalp Chunein / Choose the correct option

1. संज्ञा किसे कहते हैं?
(अ) क्रिया को
(ब) विशेषण को
(स) नाम को
(द) सर्वनाम को

2. निम्नलिखित में से कौन-सी भाववाचक संज्ञा है?
(अ) बच्चा
(ब) बचपन
(स) पुस्तक
(द) पहाड़

3. 'सेना' किस प्रकार की संज्ञा है?
(अ) जातिवाचक
(ब) व्यक्तिवाचक
(स) अन्य
(द) भाववाचक

4. 'दूध' किस प्रकार की संज्ञा है?
(अ) व्यक्तिवाचक
(ब) अन्य
(स) भाववाचक
(द) जातिवाचक

रिक्त स्थान भरें / Rikt sthan bharen / Fill in the blanks

1. जो शब्द भाव, गुण या अवस्था को प्रकट करे, वह ___________ कहलाता है ।
2. 'पानी', 'चावल', 'तेल' ये सभी ___________ संज्ञा के उदाहरण हैं ।
3. 'भारत'और 'रामायण' ये सभी ___________ संज्ञा हैं ।

मिलान करें / Milaan karen / Match the following

राम	●	भाववाचक संज्ञा
लड़कपन	●	जातिवाचक संज्ञा
लोहा	●	व्यक्तिवाचक संज्ञा

संज्ञा का प्रकार लिखें / Sangya ka prakar likhen / Write the type of noun

1. मोहन _____________________
2. पुस्तक _____________________
3. अमेरिका _____________________
4. झुंड _____________________
5. दूध _____________________

************* कखग Ka Kha Ga *************

12

सर्वनाम / Sarvanam / Pronoun

सर्वनाम / Sarvanam / Pronoun

- संज्ञा के स्थान पर आने वाले शब्दों को **सर्वनाम** कहते हैं ।
- Sangya ke sthaan par aane wale shabdon ko **Sarvanam** kahte hain.
- Words used in place of a noun are called **Pronouns**.

  उदाहरण / Udaharan / Example

  मैं, तुम, वह, ये, उन्होंने, हम, उसने, यह, जो, वह, कोई

  main, tum, vah, ye, unhonne, ham, usane, yah, jo, vah, koi

  I, you, he, she, these, they, we, she, it, who, that, someone

सर्वनाम के प्रकार / Sarvanam ke prakar / Types of Pronouns

- सर्वनाम के छः प्रकार हैं ।
- Sarvanam ke Chah prakar hain.
- There are six types of pronouns.

1. पुरुषवाचक सर्वनाम / Purushvachak sarvanam / Personal Pronoun

- वे शब्द जो व्यक्ति या जीव को दर्शाते हैं, **पुरुषवाचक सर्वनाम** कहलाते हैं।
- Ve shabd jo vyakti ya jeev ko darshaate hain, **Purushavaachak sarvanam** kahalate hain.
- **Personal pronouns** are words that replace nouns referring to specific people or things.

उदाहरण / Udaharan / Examples:

मैं /main / I, तुम / tum / You, वह / vah / He /She, हम / ham / We, आप / aap / You, वे / ve / They

मैं स्कूल जाता हूँ ।	**main** school jata hun	**I** go to school.
तुम अच्छे हो ।	**Tum** achche ho	**You** Are Good.
वह खेलता है ।	**Vah** khelta hai	**He** Plays.

2. निश्चयवाचक सर्वनाम / Nishchay vachak / Demonstrative Pronoun

- वे शब्द जो किसी वस्तु या व्यक्ति की ओर संकेत करते हैं, **निश्चयवाचक सर्वनाम** कहलाते हैं । ये स्थान या समय के संदर्भ में उनकी निकटता या दूरी का संकेत देते हैं ।
- Ve shabd jo kisi vastu ya vyakti ki or sanket karate hain, Nishchay vachak sarvanam kahalate hain. Ye sthaan ya samay ke sandarbh mein unake nikatata ya duri ka sanket dete hain.
- Demonstrative pronouns are words that point to specific nouns or noun phrases, indicating their proximity or distance in terms of location or time.

उदाहरण / udaharan /Examples

यह /yah /This, वह / vah / That, ये / ye / These, वे / ve / Those

1.	**यह** मेरा दोस्त है।	**yah** mera dost hai	**This** is my friend.
2.	**वे** पहाड़ बहुत ऊँचे हैं ।	**ve** pahaad bahut unche hain	**Those** mountains are very tall.

3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम / Anishchay vaahcak sarvnam / Indefinite Pronoun

- ऐसे सर्वनाम जो किसी अनिश्चित व्यक्ति या वस्तु को दर्शाते हैं, **अनिश्चयवाचक सर्वनाम** कहलाते हैं ।
- Aise sarvanam jo kisi anishchit vyakti ya vastu ko darshate hain, **Anishchayavachak sarvanam** kahalate hain
- Pronouns that refer to an indefinite person or thing are called **Indefinite pronouns.**

उदाहरण / Udaharan / Examples

कोई / koi / Someone, कुछ / kuch / Something, किसी / kisi / Anyone

1.	**कोई** दरवाज़ा खटखटा रहा है	**Koi** darvaja khatkhata raha hai.	**Someone** is knocking.
2.	**कुछ** भी संभव है ।	**Kuch** bhi sambhav hai.	**Anything** is possible.

4. संबंधवाचक सर्वनाम / Sambandhvachak sarvanam / Relative Pronoun

- जिस सर्वनाम से दो वस्तुओं अथवा व्यक्तियों का पारस्परिक संबंध प्रकट होता है, उसे संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं।
- Jis sarvanam se do vastuon athava vyaktiyon ka parasparik sambandh prakat hota hai, use sambandhavaachak sarvanam kahate hain
- The pronoun which shows the relation between two things or persons is called relative pronoun.

उदाहरण / Udaharan / Examples:

जो / jo / Who, जिसे / jise / Whom, जैसा / jaisa / As, जिसकी / jiski / Whose

1.	**जो** मेहनत करता है, वही सफल होता है ।	**Jo** mehanat karta hai , vahi safal hota hai	Only **those** who work hard succeed.
2.	**जिसने** मदद की, वह अच्छा इंसान है ।	**Jisane** madad ki , vah achchha insaan hai	The one **who** helped is a good person.

5. प्रश्नवाचक सर्वनाम / Prashnvachak sarvnaam / Interrogative Pronoun

- ऐसे सर्वनाम जो प्रश्न पूछने के लिए प्रयोग होते हैं ।
- Aise sarvanam jo prashn poochhne ke liye use hote hain.
- Pronouns that are used to ask questions.

उदाहरण / Udaharan / Examples:

कौन / kaun / Who, क्या /kya / What, किसका / kiska / Whose

1.	तुम **कौन** हो?	Tum **kaun** ho ?	**Who** are you?
2.	यह **क्या** है?	Yah **kya** hai	**What** is this?

6. निजवाचक सर्वनाम / Nijvaachak sarvnam / Reflexive Pronoun

- जो सर्वनाम स्वयं या खुद का बोध कराता है, उसे **निजवाचक सर्वनाम** कहते हैं ।
- Jo sarvanam khud ya svayam ka bodh karaata hai, use **Nijavaachak Sarvanam** kahate hain.
- The pronoun which refers to oneself or itself is called **reflexive pronoun**.

उदाहरण / Udaharan / Examples:

खुद / khud / Self, स्वयं / svaym / Oneself, अपने आप / apne aap / By oneself

1.	मैं अपना काम **खुद** करता हूँ ।	Main apana kaam **khud** karta hun.	I do my work **myself.**
2.	उसने **अपने आप** को संभाला ।	Usne **apne aap** ko sambhala.	He handled **himself.**

अभ्यास / abhyas / Exercises

निम्नलिखित वाक्यों में सर्वनाम पहचानिए और उसके प्रकार लिखिए / Nimnalikhit vaakyon mein sarvanam pahachanie aur usake prakar likhie / Identify the pronoun in the following sentences and write its type.

अ) मैं बाज़ार गया ।

ब) वह बहुत अच्छा लड़का है ।

स) हमें तुम पर भरोसा है ।

द) कोई दरवाज़े पर खड़ा है ।

क) उसने अपना काम स्वयं ही पूरा किया ।

रिक्त स्थानों में उपयुक्त सर्वनाम भरें / Rikt sthanon ko upayukt sarvanamon se bharen / Fill in the blanks with suitable pronouns

1. ______ ने मुझे बुलाया ।

2. यह पुस्तक ______ है?

3. ______ ने अपने हाथ से चित्र बनाया ।

4. ______ को पानी चाहिए ।

************* *************

13

विशेषण/ Visheshan /Adjective

विशेषण / Visheshan / Adjective

- जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताता है, वह **विशेषण** कहलाता है।
- Jo shabd sangya ya sarvanam ki visheshata batata hai, vah **Visheshan** kahalata hai.
- The words which describe the characteristics of a noun or pronoun are called **Adjectives**.

उदाहरण / Udaharan / Examples:

विशेषण	Roman	English
अच्छा	Achcha	Good
दो	do	Two
लंबा	lamba	Tall
थोड़ा	thoda	Little

विशेषण के प्रकार / Visheshan ke prakar / Types of Adjective

1. गुणवाचक विशेषण / Gunvachak visheshan / Qualitative Adjectives

- ऐसे विशेषण जो संज्ञा/सर्वनाम के गुण बताते हैं, **गुणवाचक विशेषण** कहलाते हैं ।
- Aise visheshan jo sarvanam ke gun batate hain, **Gunavachak visheshan** kahalate hain.
- Adjectives that describe the qualities of a pronoun are called **Qualitative Adjectives**.

उदाहरण / Udaharan / Example :

अच्छा achcha / Good, सुंदर / sundar / Beautiful, मीठा / mitha / Sweet

2. संख्यावाचक विशेषण / Sankhyavachak visheshan / Numeral Adjectives

- ऐसे विशेषण जो संज्ञा/सर्वनाम की संख्या या क्रम बताते हैं, **संख्यावाचक विशेषण** कहलाते हैं ।
- Aise visheshan jo sangya/sarvanam ki sankhya ya kram batatehain, sankhyaavachak visheshan kahalate hain.
- Adjectives that show the number or order of nouns/pronouns are called Numeral Adjectives.

उदाहरण / Udaharan / Example :

एक ek /one, दो do / two), पहला / pahala / first, पांचवां / paanchava / fifth

3. परिमाणवाचक विशेषण / Parimanvaachak visheshan / Adjective of Quantity

- ऐसे विशेषण जो संज्ञा/सर्वनाम की मात्रा बताते हैं, **परिमाणवाचक विशेषण** कहलाते हैं ।
- Aise visheshan jo sangya/sarvanam ki maatra batate hain, parimaanavaachak visheshan kahalaate hain .
- Adjectives that indicate the quantity of a noun/pronoun are called quantitative adjectives.

उदाहरण / Udaharan / Example :

थोड़ा / thoda / little, अधिक / adhik / more, पूरा / phura / full

4. संबंधवाचक विशेषण / Sambandhvaachak visheshan / Possessive / Relational Adjective

- ऐसे विशेषण जो संज्ञा/सर्वनाम के संबंध को प्रकट करते हैं ।
- Aise visheshan jo sangya/Sarvanam ke sambandh ko prakat karte hain.
- Adjectives that indicate the relation or belonging.

उदाहरण / Udaharan / Example:

मेरा / mera / my, उसका / uska / his/her, उनकी / unki / their

अभ्यास / abhyas / Exercise

रिक्त स्थान भरें / Rikt sthaan bharen / Fill in the blanks

1. गीता एक ___ लड़की है ।
2. मेरे पास ___ रुपये हैं ।
3. मुझे ___ पानी चाहिए ।
4. यह ___ घर है ।

नीचे दिए गए वाक्यों में विशेषण शब्द को रेखांकित कीजिए / Niche die gae vaakyon mein visheshan shabd ko rekhankit kijiye / Underline the adjectives in the sentences below

1. राहुल एक होशियार छात्र है ।
2. वह लाल फूल बहुत सुंदर है ।
3. तीन बच्चे पार्क में खेल रहे हैं ।
4. मुझे ठंडा दूध पसंद है ।

सही विशेषण चुनकर वाक्य पूरे कीजिए / Sahee vikalp chunakar vaaky poora kijiye/ Choose the right adjective

1.यह ___ मिठाई है । (स्वादिष्ट / तीखा)

2.___ बच्चे स्कूल गए । (तीन/अधिक)

3.___ लड़की गा रही है । (सुंदर/बुरा)

14 क्रिया / Kriya / Verb

- जो शब्द किसी कार्य के होने, करने या होने की अवस्था को व्यक्त करें, उन्हें **क्रिया** कहते हैं ।
- Jo shabd kisi kaarya ke hone, karne ya hone ki avastha ko vyakt karein, unhe **kriya** kehte hain.
- Words that express an action, a state of being, or a condition are called **verbs.**

हँसना / Hansna / To Laugh

खाना / Khana / to eat

चलना / Chalna / to walk

पढ़ना / Padhna / to read

सोना / Sona / to sleep

लिखना / Likhna / to write

खेलना / khelna / to play

क्रिया के प्रकार / Kriya ke prakar / Types of Verbs

1. सकर्मक क्रिया / sakarmak kriya / Transitive verb
2. अकर्मक क्रिया / akarmak kriya / Intransitive verb

सकर्मक क्रिया / Sakarmak kriya / Transitive verb :

- वे क्रियाएँ जिनमें कर्म की आवश्यकता होती है, वे **सकर्मक क्रियाएँ** कहलाती हैं । इसकी पहचान प्रश्न 'क्या' के उत्तर मिलने पर आसानी से की जा सकता है ।
- Ve kriyaen jinamen karm kee avashyakata hoti hai, ve sakarmak kriyaen kahalati hain. Isaki pahachan prashn 'kya' ke uttar milne par asani se ki ja sakati hai.
- Verbs that require an object are called transitive verbs. It can be easily identified by getting the answer to the question 'what'.

उदाहरण / Udaharan / Example :

राम आम खा रहा है । ⟶ क्या खा रहा है? **आम** = कर्म, **खाना** = क्रिया

सीमा गीत गा रही है । ⟶ क्या गा रही है? **गीत** = कर्म, **गाना** = क्रिया

अकर्मक क्रिया/ Akarmak kriya / Intransitive verb :

- वे क्रियाएँ जिनमें कर्म नहीं होता, यानी जिनके लिए किसी वस्तु की आवश्यकता नहीं होती, वे अकर्मक क्रिया कहलाती हैं।
- Ve kriyaen jinamen karm nahin hote, arthaat jinake lie kisi vastu ki avashyakata nahin hoti, ve **Akarmak kriya** kahalati hain
- Verbs that do not have an object, i.e., those that do not require an object, are called Intransitive verbs.

उदाहरण / Udaharan / Example:

राम सो रहा है। ⟶ क्या सो रहा है?

बच्चे दौड़ रहे हैं। ⟶ क्या दौड़ रहे हैं? कोई उत्तर नहीं मिला = क्रिया

अभ्यास / abhyas / Exercise

नीचे दिए गए वाक्यों में से अकर्मक क्रिया वाले वाक्यों को चुनिए / Niche diye gaye vaakyon mein se akarmak kriya vaale vaakyon ko chuniye / Choose the sentences with intransitive verb from the sentences given below:

अ) राधा रो रही है ।

ब) राम ने पुस्तक पढ़ी ।

स) वे खेलते हैं ।

द) वह चाय पी रहा है ।

निम्न वाक्यों में क्रिया पहचानिए और बताइए वह सकर्मक है या नहीं / Nimn vaakyon mein kriya pahachanie aur bataie vah sakarmak hai ya nahin / Identify the verb in the following sentences and tell whether it is transitive or not

1. सूरज चमक रहा है ।
2. सीता ने मिठाई खाई ।
3. बच्चा हँस रहा है ।
4. मोहन ने गेंद फेंकी ।

नीचे दिए गए वाक्यों में क्रियाओं को रेखांकित करें / Niche die gae vaakyon mein kriyaon ko rekhaankit karen / Underline the verbs in the sentences below

1. मोहन आम खा रहा है ।
2. बच्चा सो रहा है ।
3. वे बाज़ार जा रहे हैं ।
4. गाय घास खा रही है ।
5. मैं हिंदी लिख रहा हूँ ।
6. बच्चे गा रहे हैं ।
7. वह सो रही है ।
8. हम बाजार जा रहे हैं ।
9. सिया गाना गा रही है।
10. गीता हँस रही है।

नीचे दी गई क्रियाओं से रिक्त स्थान भरें / Niche di gayi kriyaon se rikt sthaan bharen / Fill in the blanks with the verbs given below

(खाता, पढ़ते, खेलते, उठता, दौड़)

1. बच्चा आम __________ है ।
2. वे मैदान में __________ हैं ।
3. मैं रोज़ सुबह जल्दी __________ हूँ ।
4. छात्र पुस्तकें __________ हैं ।
5. मोहन तेज़ी से __________ रहा है ।

15 क्रियाविशेषण / Kriyavisheshan / Adverb

- क्रियाविशेषण वे शब्द हैं जो क्रिया की विशेषता बताते हैं, ये क्रिया के अर्थ को और स्पष्ट करते हैं । ये शब्द क्रिया के बारे में अतिरिक्त जानकारी देते हैं, जैसे कि क्रिया कैसे, कब, कहाँ या कितनी मात्रा में हो रही है ।
- Kriyavisheshan ve shabd hain jo kriya ki visheshta bataate hain, ye kriya ke arth ko aur spasht karte hain. Ye shabd kriya ke bare mein atirikt jankari dete hain, jaise ki kriya kaise, kab, kahan ya kitni matra mein ho rahi hai.
- Adverbs are words that describe a verb, they make the meaning of the verb more clear. These words give additional information about the verb, such as how, when, where or how much of the action is happening.

उदाहरण / Udaharan / Example:

क्रियाविशेषण	Adverb
तेज़	Fast
कल	Tomorrow
बाहर	Outside
थोड़ा	Little

क्रियाविशेषण के प्रकार / Kriyavisheshan ke prakar / Types of Adverbs

- क्रियाविशेषण के चार प्रकार निम्नलिखित हैं।
- Kriyavisheshan ke chaar prakar nimnalikhit hain.
- The four types of adverbs are as follows.

1. रीतिवाचक क्रियाविशेषण / Ritivachak Kriyavisheshan / Adverb of Manner

- यह क्रिया की रीति या तरीके के बारे में बताता है कि कार्य कैसे किया जा रहा है।
- Yah kriya ki riti ya tarike ke bare mein batata hai ki karya kaise kiya ja raha hai.
- It discribe the manner or method of the verb, i.e., how the action is being performed.

उदाहरण / Udaharan / Example:

तेज़ी से, धीरे, सावधानी से।

2. स्थानवाचक क्रियाविशेषण / Sthanvachak Kriyavisheshan / Adverb of Place

- यह क्रिया के स्थान के बारे में बताता है कि कार्य कहाँ हो रहा है।
- Yah kriya ke sthan ke baare mein batata hai ki kaarya kahan ho raha hai.
- It discribe place of the action, i.e., where the action is taking place

उदाहरण / Udaharan / Example

यहाँ, वहाँ, बाहर, अंदर ।

3. कालवाचक क्रियाविशेषण / Kalvachak Kriyavisheshan / Adverb of Time

- यह क्रिया के समय के बारे में बताता है कि कार्य कब हो रहा है ।
- Yah kriya ke samay ke bare mein batata hai ki karya kab ho raha hai.
- It describe time of the action, i.e., when the action is taking place.

उदाहरण / Udaharan / Example

आज, कल, अभी, पहले ।

4. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण / Parimanvachak Kriyavisheshan / Adverb of Quantity

- यह क्रिया की मात्रा के बारे में बताता है कि कार्य कितना हो रहा है ।
- Yah kriya ki matra ke baare mein batata hai ki karya kitna ho raha hai.
- It describe extent or quantity of the action, i.e., how much the action is being done.

उदाहरण / Udaharan / Example

बहुत, थोड़ा, पूरी तरह और आंशिक रूप से आदि।

अभ्यास / Abhyas / Exercise

निम्नलिखित वाक्यों में क्रियाविशेषण को रेखांकित करें और उनके प्रकार बताएँ / Nimnalikhit vaakyon mein kriyavisheshan ko rekhaankit karen aur unake prakar bataen / Underline the adverbs in the following sentences and state their types

वह धीरे-धीरे चलता है।

हम कल बाजार जाएँगे।

बच्चे बाहर खेल रहे हैं।

उसने बहुत मेहनत की।

रिक्त स्थान भरें/ Rikt sthan bharen / Fill in the blanks

1. वह _____ (स्थानवाचक) खेलने गया।
2. मैं _____ (कालवाचक) घर लौटूँगा।
3. उसने _____ (रीतिवाचक) गाना गाया।

नीचे दिए गए क्रियाविशेषण का उपयोग करके वाक्य बनाएँ / Niche diye gaye kriyavisheshan ka upyog karke vakya banayen/ Make sentences using the adverbs given below

तेज़ी से

यहाँ

अभी

सही क्रियाविशेषण चुनें / Sahi kriyavisheshan chuniye / Choose the correct adverb

1. **मैं जल्दी उठता हूँ ।**
   यहाँ 'जल्दी' कौन-सा प्रकार है?
   अ) स्थान वाचक
   ब) काल वाचक
   स) परिमाण वाचक

2. **वह धीरे चलता है ।**
   'धीरे' किसे दर्शाता है?
   अ) रीति वाचक

ब) काल वाचक

स) संभावना वाचक

निम्नलिखित वाक्यों से क्रियाविशेषण को रेखांकित करें / Nimnalikhit vaakyon se kriyavisheshan ko rekhankit karen/ Underline the adverb in the following sentences.

1. माँ जल्दी उठ जाती हैं ।

2. बच्चा धीरे-धीरे चल रहा है ।

3. राम वहाँ गया था ।

4. वह थोड़ा पढ़ा ।

************* *************

16

लिंग / Ling / Gender

- हिंदी व्याकरण में लिंग, शब्द का वह गुण है जो उसके पुरुष या स्त्री होने का बोध कराता है।
- Hindi vyakaran mein ling, shabd ka vah gun hai jo uske purush ya stri hone ka bodh karata hai.
- In Hindi grammar, gender is the quality of a word that indicates its male or female status.

लिंग के प्रकार / Ling ke prakar / Types of Gender

- हिंदी में लिंग दो प्रकार के होते हैं ।
- Hindi mein ling do prakar ke hote hain.
- There are two types of gender in Hindi.

1. पुल्लिंग / Pulling / Masculine Gender
2. स्त्रीलिंग / Striling / Feminine Gender

1. पुल्लिंग / Pulling / Masculine Gender

- वे शब्द जिनसे पुरुष जाति का बोध हो, **पुल्लिंग** कहलाते हैं ।
- Ve shabd jinse purush jati ka bodh ho, **Pul-ling** kehlate hain.
- Words that define male gender are called **Masculine gender**.

उदाहरण / Udaharan / Examples: लड़का / Ladka / boy, पंखा / pankha / fan , हाथ / haath / hand , राजा / raja / king

2.स्त्रीलिंग / Striling / Feminine Gender

- वे शब्द जिनसे स्त्री जाति का बोध हो, स्त्रीलिंग कहलाते हैं।
- Ve shabd jinse stri jati ka bodh ho, Striling kehlate hain.
- Words that tell us about female gender are called **Feminine gender**.

उदाहरण / Udaharan / Examples: लड़की / Ladki / girl, घड़ी / Ghadi / clock, नाक / Naak / nose, रानी / Rani / queen

लिंग की पहचान / ling ki pahchan / How to Identify Gender

पुल्लिंग शब्दों की पहचान:

- सामान्यतः जिन शब्दों के अंत में **"ा"** आता है, वे पुल्लिंग होते हैं ।
  उदाहरण: लड़का, घोड़ा, सोना
- Samanyatah Jin shabdon ke ant mein "aa" aataa hai, ve aam tor par pulling hote hain.
  Udaharan: ladka, ghoda, sona
- Words ending with "aa" are often masculine.
  Examples: ladka (boy), ghoda (horse), sona (gold)

- प्रकृति में जो बड़ी चीजें हैं, कठोर हैं वे पुल्लिंग होती हैं। जैसे- पर्वत, पहाड़, समुद्र, वृक्ष आदि।
- Prakrti mein jo badi cheejen hain, jo kathor hain ve kheenchatee hain. jaise- parvat, pahad, samudr, vriksh aadi.
- In nature, the big things which are hard, they are masculine. Example- mountains (पर्वत), hills (पहाड़), seas (समुद्र), trees (वृक्ष) etc.
- **कुछ शब्द प्रायः पुल्लिंग होते हैं; जैसे**
- **Kuchh shabd prayah pulling hote hain; jaise –**
- **Some words are generally masculine gender (pulling), such as –**

देशों के नाम	– भारत, चीन, अमेरिका, फ्रांस, जापान आदि
Deshon ke naam	– Bharat, Cheen, America, Frans, Japan aadi
Name of countries	– Bharat (India), China, America, France, Japan, etc.

पेड़ों के नाम	– आम, केला, संतरा, अमरूद, आदि । (अपवाद, इमली)
Pedon ke naam	– Aam, Kela, Santara, Amrood aadi. (Apvad – Imli)
Name of trees	– Mango, Banana, Orange, Guava, etc. (Exception – Tamarind)

पर्वत के नाम	– हिमालय, कंचनजंगा, एवरेस्ट, फूजीयामा आदि
Parvat ke naam	– Himalay, Kanchanjanga, Everest, Fujiyama aadi
Name of mountains	– Himalaya, Kanchenjunga, Everest, Fujiyama, etc.

ग्रहों के नाम	– बुध, शुक्र, मंगल, बृहस्पति, शनि, अरुण और वरुण (अपवाद– पृथ्वी (स्त्रीलिंग))
Grahon ke naam	– budh, shukr, mangal, brhaspati, shani, arun aur varun. (Apvad– Prithvi (striling))
Name of planets	– Mercury, Venus, Mars, Jupiter, Saturn, Uranus and Neptune (Exception – Earth, which is feminine)

दिनों के नाम	– सोमवार, मंगलवार, बुधवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार, शनिवार और रविवार।

Dino ke naam	– Somvar, Mangalvar, Budhvar, Brihaspativar, Shukrvar, Shanivar aur Ravivar
Name of days	– Monday, Tuesday, Wednesday, Thursday, Friday, Saturday and Sunday.

सागर के नाम	– हिंद महासागर, प्रशांत महासागर।
Sagar ke naam	– Hind Mahasagar, Prashant Mahasagar
Name of oceans	– Indian Ocean, Pacific Ocean.

भाववाचक संज्ञा	– प्रेम, बुढ़ापा, क्रोध, आनंद, दुख आदि ।
Bhavvachak sangya	– Prem, Budhapa, Krodh, anand, Dukh aadi
Abstract nouns	– Love, Old age, Anger, Joy, Sorrow, etc.

धातुओं के नाम	– ताँबा, लोहा, सोना, राँगा इत्यादि
Dhatuon ke naam	– Tanba, Loha, Sona, Ranga ityadi
Name of metals	– Copper, Iron, Gold, Lead, etc.

अकारांत शब्द	– शेर, लेखक, पर्वत, पत्र आदि ।
Akarant shabd	– Sher, Lekhak, Parvat, Patr aadi
Akarant (ending in 'a') words	– Lion, Writer, Mountain, Letter, etc.

स्त्रीलिंग शब्दों की पहचान / String shabdon ki pahachan / Identification of Feminine Gender Words

- सामान्यतः जिन शब्दों के अंत में **"ी"** आता है, वे स्त्रीलिंग होते हैं ।
  उदाहरण: लड़की, घड़ी, रोटी
- Samanyatah Jin shabdon mein "ee" aataa hai, ve aam tor par striling hote hain.

  Udaharan: ladki, ghadi, roti
- Words ending with "ee" are usually feminine.
- प्रकृति में जो छोटी चीजें हैं, कोमल हैं वे स्त्रीलिंग होती हैं। जैसे- डाल, नदी, पौधा आदि।
- Prakrti mein jo chhoti cheejen hain, komal hain ve streeling hoti hain. jaise- daal, nadee, paudha aadi.
- Small and soft things in nature are feminine. Example- branch (डाल), river (नदी), plant (पौधा) etc.

निम्नलिखित शब्द प्रायः स्त्रीलिंग होते हैं

Nimnalikhit shabd prayah striling hote hain
The following words are generally feminine gender

- भाषाओं के नाम – हिंदी, अंग्रेज़ी, रूसी, जापानी आदि।
- Bhashaon ke naam – Hindi, English, Russian, Japanese adi.
- Names of languages – Hindi, English, Russian, Japanese, etc.
- नदियों के नाम – गंगा, यमुना, सरस्वती, सरयू आदि।
- Nadiyon ke nam – Ganga, Yamuna, Saraswati, Saryu, adi.
- Names of rivers – Ganga, Yamuna, Saraswati, Saryu, etc.
- ईकारांत शब्द – नदी, पोथी, रोटी, मिठाई, लाठी आदि।
- Ikarant – Nadi, Pothi, Roti, Mithai, Lathi, adi.
- Words ending in 'ee' – Nadi, Pothi, Roti, Mithai, Lathi, etc.
- अकारांत शब्द – प्रार्थना, आशा, कला, परीक्षा आदि।
- Akarant– Prarthana, Asha, Kala, Pariksha adi.
- Words ending in 'aa' – Prarthana, Asha, Kala, Pariksha, etc.
- तिथियों के नाम – पूर्णिमा, अष्टमी, चतुर्थी, तीज आदि।
- Tithiyon ke nam – Purnima, Ashtami, Chaturthi, Teej adi.
- Name of lunar dates – Purnima, Ashtami, Chaturthi, Teej, etc.
- उकारांत शब्द – आयु, ऋतु।
- Ukarant shabd – Ayu, Ritu
- Words ending in 'u' – Ayu (age), Ritu (season)

नोट : इसके कुछ अपवाद भी हैं। / Note : Isake kuchh apavaad bhee hain. / Note: There are some exceptions to this.

हिंदी भाषा के सही प्रयोग के लिए संज्ञा शब्दों के लिंग का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि संज्ञा शब्दों के लिंग का प्रभाव सर्वनाम, विशेषण, क्रिया तथा क्रियाविशेषण पर पड़ता है; जैसे-

Hindi bhasha ke sahi prayog ke liye sangya sabdon ke ling ka gyan atyant avashyak hai, kyunki sangya shabdon ke ling ka prabhav sarvanam, visheshan, kriya tatha kriya-viseshan par padta hai; jaise –

For the correct usage of Hindi language, knowledge of gender in nouns is very important because it affects pronouns, adjectives, verbs, and adverbs; for example:

क्र.	व्याकरणिक विषय	लिंग	हिंदी	Roman	English
1.	सर्वनाम पर / Sarvanam par / On Pronoun	पुल्लिंग	अपना कमरा खोलो।	Apna kamara kholo.	Open your room.
		स्त्रीलिंग	अपनी कोठरी खोलो।	Apni kothari kholo.	Open your room.
2.	विशेषण पर / Visheshan par / On Adjective	पुल्लिंग	मुझे नीला पेंट चाहिए।	Mujhe nila pent chahiye.	I want blue paint.
		स्त्रीलिंग	मुझे नीली साड़ी चाहिए।	Mujhe nili sari chahiye.	I want a blue sari.
3.	क्रिया पर / Kriya par / On Verb	पुल्लिंग	लड़का दौड़ा।	Ladka daura	The boy ran.
		स्त्रीलिंग	लड़की दौड़ी।	Larki dauri	The girl ran.
4.	क्रियाविशेषण पर / Kriyavisheshan par / On Adverb	पुल्लिंग	आयुष दौड़ता हुआ आया।	ayush daurta hua aya.	Ayush came running.
		स्त्रीलिंग	नेहा दौड़ती हुई आई।	Neha daurti hui ai.	Neha came running

- **शब्दों में विभिन्न प्रत्यय जोड़कर पुल्लिंग शब्दों को स्त्रीलिंग शब्दों में परिवर्तित किया जाता है ।**
- **Shabdon mein vibhinn pratyay jodkar pulling shabdon ko striling shabdon mein parivartit kiya jata hai.**
- **Masculine words are converted into feminine words by adding various suffixes to them.**

1. 'अ' को 'आ' करके / 'A' ko 'Aa' karke / adding 'aa'

पुल्लिंग / Pulling / Masculine	स्त्रीलिंग / striling / Feminine
छात्र / Chhatra / Student	छात्रा / Chhatra / Strudent

शिष्य / Shishya / Student	शिष्या / ShiShya / Student
अध्यक्ष / Adhyaksh / Chairperson	अध्यक्षा / Adhyaksha / Chairperson
आचार्य / Acharya / Teacher	आचार्या / Acharya / Teacher

2. 'अ' या 'आ' को 'इया' करके / 'A' ya 'Aa' ko 'iya' karke / by adding 'iya'

डिब्बा / Dibba / box	डिबिया / Dibiya/ box
बूढ़ा / Budha / old male	बुढ़िया / Budhiya / old female

3. 'आनी' लगाकर / 'Aani' lagakar / adding 'ani' at the end

सेठ / Seth / Merchant	सेठानी / Sethani / Merchant's wife
देवर / Devar / Brother-in-law	देवरानी / Devarani / Sister in-law
जेठ / Jeth / Brother-in-law	जेठानी / Jethani / Sister in-law

4. 'आइन' लगाकर / 'Aain' lagakar / adding 'ain'

पंडित / Pandit / Priest	पंडिताइन / Panditain / Priest
ठाकुर / Thakur / Surname or Title	ठकुराइन / Thakurain / Surname or Title
चौधरी / Chaudhari / Surname or Title	चौधराइन / Chaudharain / Surname or Title

5. 'इका' लगाकर / 'Ika' lagakar / adding 'ika'

सेवक / Sevak / Servant	सेविका / Sevika / Servant
नायक / Nayak / Hero	नायिका / Nayika / Heroin
गायक / Gayak / Singer	गायिका / Gayika / Singer

अभ्यास/ Abhas / Exercises

नीचे दिए गए शब्दों को सही कॉलम में रखिए / Niche diye gaye shabdon ko sahi kolam mein rakhie / Put the words given below in the correct column.

शब्द : लड़का, घड़ी, पिता, माता, कलम, किताब, शिक्षक, शिक्षिका ।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग

पुल्लिंग शब्दों को स्त्रीलिंग में बदलिए ।

1. राजा ⟶ _______
2. बेटा ⟶ _______
3. गुरु ⟶ _______
4. पति ⟶ _______
5. छात्र ⟶ _______

सही विकल्प चुनें

1. लिंग कहते हैं

(i) पुरुष या स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्द रूप को
(ii) पहचान को
(iii) विशेष चिह्न को
(iv) उपर्युक्त सभी

2. हिंदी में लिंग कितने प्रकार के होते हैं

(i) तीन-पुल्लिंग, स्त्रीलिंग, नपुंसकलिंग

(ii) दो-स्त्रीलिंग, पुल्लिंग

(iii) (i) व (ii) दोनों

(iv) इनमें से कोई नहीं

3. स्त्री जाति का बोध करवाने वाले शब्द कहलाते हैं?

(i) पुल्लिंग

(ii) स्त्रीलिंग

(iii) नपुंसकलिंग

(iv) इनमें कोई नहीं

4. पुरुष जाति का बोध करवाने वाले शब्द कहलाते हैं

(i) पुल्लिंग

(ii) स्त्रीलिंग

(iii) नित्य पुल्लिंग

(iv) नपुंसकलिंग

5. 'सोना' क्या है?

(i) स्त्रीलिंग

(ii) पुल्लिंग

(iii) (i) और (ii) दोनों

(iv) इनमें कोई नहीं

6. कवि शब्द का स्त्रीलिंग है

(i) कविता

(ii) कवयित्री

(iii) कवयीत्री

(iv) कवयत्री

7. 'नेता' शब्द का स्त्रीलिंग होता है

(i) नेती

(ii) नेत्री

(iii) नेताजी

(iv) मादा नेताजी

************ क ख ग Ka Kha Ga ************

17

वचन / Vachan / Number

- संज्ञा और सर्वनाम के जिस रूप से किसी व्यक्ति , वस्तु या जीव के एक या एक से अधिक होने का बोध होता है, उसे **'वचन'** कहते हैं ।
- sangya aur Sarvanam ke jis roop se kisi vyakti, vastu ya jeev ke ek ya ek se adhik hone ka bodh hota hai, use '**vachan'** kahate hain.
- The form of noun and pronoun which indicates that a person, thing or living being is one or more than one is called '**number**'.

वचन के प्रकार / Vachan ke prakar / Types of Number

- हिंदी में वचन दो प्रकार के होते हैं।
- Hindi mein vachan do prakar ke hote hain.
- In Hindi, there are two types of number.

एकवचन / Ekvachan / Singular number

- जिस शब्द से केवल **एक व्यक्ति, वस्तु या स्थान** का बोध हो, उसे एकवचन कहते हैं ।
- Jis shabd se keval **ek vyakti, vastu ya sthaan** ka bodh ho, use ekvachan kehte hain.
- The word that refers to **only one** person, thing, or place is called singular.

उदाहरण / Udaharan / Examples:

- लड़का / Ladka / Boy

- किताब / Kitaab / Book
- फूल / Phool /Flower
- बच्चा /Bachcha / Child

2. बहुवचन / bahuvachan / Plural Number

- जिस शब्द से एक से अधिक व्यक्ति, वस्तु या जीव आदि का बोध हो, उसे **बहुवचन** कहते हैं ।
- A word that refers to more than one person, thing or living thing is called **Plural**.
- Jis shabd se ek se adhik vyakti, vastu ya jeev aadi ka bodh ho, use **Bahuvachan** kahate hain

उदाहरण / Udaharan / Examples:

- लड़के / Ladke / Boys
- किताबें / Kitaaben / Books
- फूल / Phoolon / Flowers
- बच्चे / bachche / Children

एकवचन और बहुवचन निर्माण के नियम / Ekvachan aur bahuvachan nirmaan ke niyam / Rules for Forming Singular and Plural

- हिंदी में संज्ञाओं को एकवचन से बहुवचन में बदलने के लिए निम्नलिखित नियमों का पालन किया जाता है।
- Hindi mein sangyaon ko ekvachan se bahuvachan mein badalne ke liye nimnlikhit niyamon ka paalan kiya jata hai.
- The following rules are followed to convert nouns from singular to plural in Hindi.

क्र.	हिंदी	Roman	English
1	आदर या सम्मान प्रकट करने के लिए एकवचन व्यक्तिवाचक संज्ञा का प्रयोग बहुवचन में किया जाता है। **उदाहरण:**- गांधीजी चंपारन आए थे।- शास्त्रीजी अत्यंत सरल स्वभाव के थे।- गुरुजी आज नहीं आए।- पिताजी कल कोलकाता जाएँगे।- आप कहाँ गए थे?	Aadar ya sammaan prakat karne ke liye ekvachan vyaktivachak sangya ka prayog bahuvachan mein kiya jata hai. **Udaharan:**- Gandhiji Champaran aaye the.- Shastriji atyant saral swabhav ke the.- Guruji aaj nahi aaye.- Pitaji kal Kolkata jayenge.- Aap kahan gaye the?	Plural forms are used for singular proper nouns to show respect. **Examples:**- Gandhiji came to Champaran.- Shastriji was very simple by nature.- Guruji didn't come today.- Father will go to Kolkata tomorrow.- Where had you gone?
2	जातिवाचक संज्ञाएँ एकवचन और बहुवचन दोनों में प्रयोग की जाती हैं। **उदाहरण:**- कुत्ता भौंक रहा है।- कुत्ते भौंक रहे हैं।- शेर जंगल का राजा है।- बैल के चार पाँव होते हैं।	Jativachak sangyaen ekvachan aur bahuvachan donon mein prayog ki jati hain. **Udaharan:**- Kutta bhaunk raha hai.- Kutte bhaunk rahe hain.- Sher jungle ka raja hai.- Bail ke char paanv hote hain.	Common nouns can be used in both singular and plural. **Examples:**- The dog is barking.- The dogs are barking.- The lion is the king of the jungle.- The ox has four legs.
3	'हर', 'प्रत्येक', और 'हर एक' का प्रयोग शब्द केवल एकवचन में प्रयोग किए जाते हैं। **उदाहरण:**- हर एक कुएँ का पानी मीठा नहीं होता।- प्रत्येक व्यक्ति यही कहेगा।	'Har', 'pratyek', aur 'har ek' ka prayog shabd keval ekvachan mein prayog kiye jate hain. **Udaharan:**- Har ek kuyen ka paani meetha nahi hota.- Pratyek vyakti yahi kahega.	Use of 'Har', 'Pratyek', and 'Har Ek' words are used only in the singular. **Examples:**- Not every well's water is sweet.- Every person will say the same.
4	अनेक, कई, गण, लोग, जन, जैसे शब्दों का प्रयोग बहुवचन रूप को दर्शाने के लिए किया जाता है। **उदाहरण:**- छात्रगण बहुत व्यस्त हैं।- विद्यार्थियों की अनेक टोलियाँ गईं।- अकबर	Anek, kai 'gan, log, jan, jaise shabdon ka prayog bahuvachan roop ko darshane ke liye kiya jata hai. **Udaharan:**- Chhatragan bahut vyast hain.- Vidyarthiyon ki anek toliyan	Words like 'anek' (many) and 'kai' (several) 'gan', 'log', 'jan', are used to indicate the plural form of nouns. **Examples:**- Students are very busy.- Many

	की सदी में कई देशों की प्रजा पर अत्याचार हुए।	gayin.- Akbar ki sadi mein kai deshon ki praja par atyachar hue.	groups went there.- Several groups gathered.
5	शारीरिक अवयवों की संज्ञाएँ बहुवचन में प्रयोग होती हैं, लेकिन एकवचन में उनके आगे 'एक' जोड़ा जाता है। **उदाहरण:**- राधा के दाँत चमक रहे थे।- मेरे बाल सफेद हो गए हैं।- मेरा एक बाल टूट गया।- मेरी एक आँख में खराबी है।- मंजू का एक दाँत गिर गया।	Saririk avayavon ki sangyaen bahuvachan mein prayog hoti hain, lekin ekvachan mein unke aage ‘ek’ joda jata hai. **Udaharan:**- Radha ke daant chamak rahe the.- Mere baal safed ho gaye hain.- Mera ek baal toot gaya.- Meri ek aankh mein kharabi hai.- Manju ka ek daant gir gaya.	Body part nouns are used in the plural, but 'one' is added for singular. **Examples:**- Radha’s teeth were shining.- My hair has turned white.- One of my hairs broke.- One of my eyes is defective.- One of Manju’s teeth fell out.
6	आकारांत पुल्लिंग शब्दों का बहुवचन 'आ' की जगह 'ए' लगाकर बहुवचन रूप बनाया जाता है। **उदाहरण:**- जूता – जूते- तारा – तारे- लड़का – लड़के- घोड़ा - घोड़े	Aakarant pulling shabdon ka bahuvachan- ‘Aa’ ki jagah ‘e’ lagakar bahuvachan roop banaya jata hai. **Udaharan:**- Joota – joote- taara – tare- ladka – ladke- ghoda - ghode	Plural of Masculine 'आ' Ending Words- The plural form is created by replacing 'आ' with 'ए'. **Examples:**- Shoe – shoes- Star – stars- Boy – boys- Horse - horses
7	अकारांत स्त्रीलिंग शब्दों का बहुवचन 'अ' या 'आ' की जगह 'एँ लगाकर बहुवचन में परिवर्तन किया जाता है। **उदाहरण:**बात – बातेंरात – रातेंकिताब – किताबेंगाय – गायेंबहन – बहनेंकविता – कविताएँलता - लताएँ	Akarant striling shabdon ka bahuvachan ‘A’ ya ‘Aa’ ki jagah ‘ein’ lagakar bahuvachan mein parivartan kiya jata hai. **Udaharan:**Baat – baateinRaat – raateinKitaab – kitaabeinGaay – gaayeinBehen – beheneinKavita – kavitaeinLata – lataein	Plural of Feminine 'A' or 'Aa' ending Words - Replace ‘A’ or 'Aa' with 'ein' to form the plural. **Examples:**- Matter – matters- Night – nights- Book – books- Cow – cows- Sister – sisters- Poem – poems- Vine – vines
8	'या' अंत वाले स्त्रीलिंग शब्द - 'या' की जगह 'याँ' लगाकर	‘Ya’ ant wale striling shabd ‘Ya’ ki jagah ‘yaan’ lagakar bahuvachan mein parivartan kiya jata hai.	Plural of Feminine 'Ya' Ending Words Replace

	बहुवचन में परिवर्तन किया जाता है। **उदाहरण:**बिंदिया – बिंदियाँचिड़िया - चिड़ियाँडिबिया - डिबियाँ	**Udaharan:**Bindiya – bindiyaanChidiya – chidiyaanDibiya - dibiyaan	'Ya' with 'yaan' to form the plural. **Examples:**- Bindiya – bindiyaan- Chidiya – chidiyaan- Dibiya - dibiyaan
9	इकारांत और ईकारांत स्त्रीलिंग शब्द 'ई' को 'इ' में बदलकर और 'याँ' जोड़कर बहुवचन में परिवर्तन किया जाता है। **उदाहरण:**नीति – नीतियाँनारी – नारियाँगति – गतियाँथाली - थालियाँ	Ikarant aur eekarant striling shabd 'ee' ko 'i' mein badalkar aur 'yaan' jodkar bahuvachan mein parivartan kiya jata hai. **Udaharan:**Neeti – neetiyaanNaari – naariyaanGati – gatiyaanThaali - thaaliyaan	Plural of Feminine 'ee' and 'i' Ending Words – Change 'ee' to 'i' and add 'yaan' to form the plural. **Examples:**- Neeti – neetiyaan- Naari – naariyaan- Gati – gatiyaan- Thaali - thaaliyaan
10	विशेष स्वरांत शब्दों का बहुवचन 'उ, ऊ, की जगह 'एँ' और 'ऊ' को 'उ' में बदलकर बहुवचन में परिवर्तन किया जाता है। **उदाहरण:**वस्तु – वस्तुएँबहू - बहुएँ	Vishesh swarant shabdon ka bahuvachan 'U, oo' ki jagah 'ein' aur 'oo' ko 'u' mein badalkar bahuvachan mein parivartan kiya jata hai. **Udaharan:**Vastu – vastueinBahu - bahuein	Plural of Specific Vowel-Ending Words Replace 'U, oo', ' with 'ein' and change 'oo' to 'u' to form the plural. **Examples:**- Vastu - vastuein (Object - objects)- Bahu - bahuein (Daughter-in-law - daughters-in-law)
11	कुछ शब्द एकवचन और बहुवचन दोनों में समान रहते हैं। **उदाहरण:**राजा, नेतापिता, चाचापेड़ आदि	Kuch shabd ekvachan aur bahuvachan donon mein saman rehte hain. **Udaharan:**RajaNetaPitaChachaPed aadi	Some words remain the same in both singular and plural. **Examples:**- Raja- Neta- Pita- Chacha- Ped aadi

अभ्यास / Abhyas / Exercise

नीचे दिए गए शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए / Niche diye gaye shabdon ke bahuvachan rup likhiye / Write the plural forms of the following words.

1. फूल ________
2. गाड़ी ________
3. बच्चा ________
4. चित्र ________
5. लड़की ________

नीचे दिए गए शब्दों के एकवचन रूप लिखिए / Niche diye gaye shabdon ke ekavachan roop likhen / Write the singular form of the words given below /

1. लड़के __________
2. पुस्तकें __________
3. पंछियों __________
4. महिलाओं __________

रिक्त स्थानों को सही शब्द से भरें / Rikt sthanon ko sahi shabd se bharen / Fill in the blanks with appropriate word.

1. यह ____ स्कूल जाता है । (लड़का/लड़के)
2. ____ खेल रहे हैं । (बच्चा/बच्चे)
3. रमा और नीता दो ____ हैं । (लड़की/लड़कियाँ)

************* *************

18

सरल वाक्य / Saral vaakya / Simple sentence

- शब्दों का ऐसा समूह, जिससे कोई पूर्ण अर्थ निकलता है, उसे वाक्य कहते हैं।
- Shabdon ka aisa samooh jisse poorn arth niklta, use vakya kahte hain.
- A sentence is a group of words that makes complete sense.

- सरल वाक्य वह वाक्य होता है जिसमें केवल एक कर्म और एक क्रिया होती है। यह वाक्य छोटा, सीधा और स्पष्ट होता है, जिसमें कोई उपवाक्य नहीं होता।
- Saral vakya vah vakya hota hai jisamen keval ek karm aur ek kriya hoti hai. Yah vakya chhota, sidha aur spasht hota hai, jisamen koi upavakya nahin hota.
- A simple sentence is a sentence that has only one subject and one verb. This sentence is short, direct and clear, with no clauses.

हिंदी	Roman	English
वह आया ।	Wah aaya.	He came.
वह हँसी ।	Wah hansi.	She laughed.
बच्चा रोया ।	Bachcha roya.	Baby cried.
राम स्कूल गया ।	Ram school gaya.	Ram went to school.
मैं खाना खा रहा हूँ ।	Main khana kha raha hoon.	I am eating food.
वह किताब पढ़ती है ।	Wah kitab padhti hai.	She reads a book.
गीता बाजार जा रही है ।	Gita bazar ja rahi hai.	Geeta is going to market.
बच्चे पार्क में खेलते हैं ।	Bachche park mein khelte hain.	Children play in the park.
मैंने दूध पी लिया ।	Maine doodh pi liya.	I drank the milk.

हिंदी की वाक्य संरचना / Hindi ki vaakya sanrachana / Sentence Structure of Hindi

- **हिंदी की कर्ता, कर्म और क्रिया का विशेष महत्व है, जिसके बारे में नीचे बताया गया है-**
- **Hindi ki karta, karm kriya ka vishesh mahatva hai, jisake baare mein niche bataya gaya hai-**
- **The subject and object verbs of Hindi have special importance, which is mentioned below-**

कर्ता / Karta / Subject

- जो कार्य करता है।
- Jo kaarya karta hai.
- The one who does the work

क्रिया / Kriya / Verb

- जो कार्य किया जा रहा है।
- Jo kaarya kiya ja raha hai.
- The work that is being done

कर्म / Karm / Object

- कर्ता के द्वारा संपादित क्रिया का प्रभाव जिस व्यक्ति या वस्तु पर पड़े उसे कर्म कहते है।
- karta ke dvara sampadit kriya ka prabhaav jis vyakti ya vastu par pade use karm kahate hai.
- An object is a noun or pronoun that receives the action done by the subject in a sentence.
- **वाक्य संरचना में पहले कर्ता आता है फिर कर्म आता है और अंत में क्रिया आती है ।**
- **Vaaky sanrachana mein pehle karta aata hai, phir karm, phir kriya.**
- **In sentence structure, subject comes first, then object, and finally verb.**

कर्ता + कर्म + क्रिया	**Karta + Karm + Kriya**	**Subject + Object + Verb**

उदाहरण:

राम / Raam / Ram	**सेब / seb / apple**	**खा रहा है / kha raha hai / is eating**

सीमा / Seema / Seema	**किताब / kitaab / book**	**पढ़ रही है / padh rahi hai / is reading**

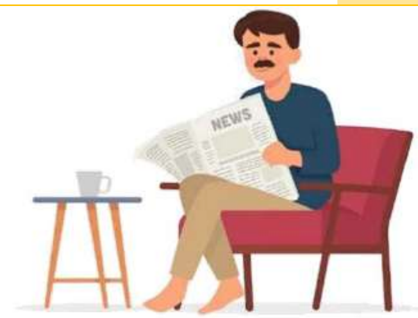

पिताजी / Pitaaji / Father	**अख़बार / Akhabaar / Newspaper**	**पढ़ते हैं / Padhte hain / Reads**

कुछ विशेष बातें :

- हिंदी वाक्य में क्रिया अक्सर अंत में आती है I / hindi vaaky mein kriya aksar ant mein aati hai. / In a Hindi sentence, the verb often comes last.
- वाक्य में लिंग, वचन और काल के अनुसार शब्दों का रूप बदलता है I / Vaaky mein ling, vachan aur kaal ke anusaar shabdon ka roop badalata hai. / The form of words in a sentence changes according to gender, number and tense.

अभ्यास / Abhyas / Exercises

रिक्त स्थान भरें / Rikt sthan bharen / Fill in the blanks

1. राम _______ गया ।
2. वह _______ रही है ।

इन शब्दों से वाक्य बनाएँ / In shabdon se vaakya banayen / Make sentences with these words

1. बच्चा
2. माँ
3. मैं

निम्नलिखित को सही क्रम में लगाइए / nimnalikhit ko sahee kram mein lagaie / Put the following in the correct order

1. स्कूल / मैं / गया
2. खेल / बच्चा / रहा / है

************* *************

19 शेर और खरगोश / Sher Aur Khargose / Lion and Rabbit

किसी घने जंगल में एक बहुत खतरनाक शेर रहता था। अपने पेट की भूख शांत करने के लिए वह रोज अनेक जानवरों को मार डालता था। एक दिन सभी जानवर इकट्ठा हुए और शेर से निवेदन किया कि वह रोज केवल एक जानवर खाए । शेर ने उनकी बात मान ली। अब रोज एक जानवर शेर की गुफा में जाता । एक दिन एक चालाक खरगोश की बारी आई । रास्ते में उसे एक कुआँ मिला। वह कुएँ के पास गया और फिर उसने शेर को मारने की योजना बनाई। वह शेर के पास जाकर कहा, "महाराज! रास्ते में मुझे एक और शेर मिला, जो खुद को आपसे भी बलवान बता रहा था।" शेर को गुस्सा आया और वह खरगोश के साथ कुएँ के पास गया। खरगोश बोला, "महाराज, उसी गुफा में वह शेर है ।" शेर ने कुएँ में झाँका। उसमें उसे अपनी परछाई दिखाई दी। वह समझा कि कुएँ में कोई दूसरा शेर है । वह गुस्से में दहाड़ा, कुएँ से भी दहाड़ने की आवाज आई। फिर क्या था? शेर गुस्से में कुएँ में कूद गया। शेर की मृत्यु हो गई और सभी जानवर बच गए।

कहानी से शिक्षा : बल की अपेक्षा बुद्धि हमेशा शक्तिशाली होती है। इसलिए हमारे ऊपर चाहे कितनी भी बड़ी विपत्ति क्यों न आ जाए, हमें हमेशा बुद्धि से ही काम लेना चाहिए। जो लोग बुद्धि से काम लेते हैं, वही लोग अपनी रक्षा कर पाते हैं ।

Kisi ghane jungle mein ek bahut khatarnak sher rahta tha. Apne pet ki bhookh shaant karne ke liye vah roz anek janwaron ko maar dalta tha. Ek din sabhi janwar ikattha hue aur sher se nivedan kiya ki vah roz keval ek janwar khaye. Sher ne unki baat maan li. Ab roz ek janwar sher ki gufa mein jaata. Ek din ek chalak khargosh ki baari aayi. Raste mein use ek kuaan mila. Vah kue ke paas gaya aur phir usne sher ko maarne ki yojana banaayi. Vah sher ke paas jaakar bola, “Maharaj! Raste mein mujhe ek aur sher mila, jo khud ko aapse bhi balwaan bata raha tha.” Sher ko gussa aaya aur vah khargosh ke saath kue ke paas gaya. Khargosh bola, “Maharaj, usi gufa mein vah sher hai.” Sher ne kue mein jhanka. Usmein use apni parchhaai dikhai di. Vah samjha ki kue mein koi doosra sher hai. Vah gusse mein dahaada, kue se bhi dahaadne ki awaaz aayi. Phir kya tha? Sher gusse mein kue mein kood gaya. Sher ki mrityu ho gayi aur sabhi janwar bach gaye.

Kahani se shiksha: Bal ki apeksha buddhi hamesha shaktishali hoti hai. Isliye hamare upar chahe kitni bhi badi vipatti kyon na aa jaye, humein hamesha buddhi se hi kaam lena chahiye. Jo log buddhi se kaam lete hain, vahi log apni raksha kar paate hain.

In a dense forest, there lived a very dangerous lion. To satisfy his hunger, he would kill many animals every day. One day, all the animals gathered and requested the lion to eat only one animal each day. The lion agreed to their request. From then on, one animal would go to the lion's cave each day. One day, it was the turn of a clever rabbit. On the way, he saw a well. He went near the well and then made a plan to kill the lion. He went to the lion and said, "Your Majesty! On the way, I met another lion who claimed to be stronger than you." The lion became angry and went with the rabbit to the well. The rabbit said, "Your Majesty, that lion is inside this cave." The lion looked into the well. He saw his own reflection. He thought there was another lion inside. He roared in anger, and the roar echoed back from the well. Then what happened? The lion, furious, jumped into the well. The lion died, and all the animals were saved.

Moral of the story: Intelligence is always more powerful than strength. Therefore, no matter how big the trouble we face, we should always use our wisdom. Those who use their intelligence can protect themselves.

शब्दावली / Shabdavali / Vocabulary

हिंदी शब्द	Roman	English Word
जंगल	Jangal	Forest
खतरनाक	Khatarnak	Dangerous
शिकार	Shikar	Hunting
गुफा	Gupha	Cave
परछाई	Parchhai	Shadow/reflection
दहाड़ना	Dahadana	To roar
कूदना	Kudna	To jump
योजना	Yojna	Plan

अभ्यास / abhyas / Exercise

रिक्त स्थान भरें / Rikt sthan bharen / Fill in the blanks

1. जंगल में एक ___________ रहता था।
2. सभी जानवरों ने शेर से ___________ किया।
3. खरगोश ने ___________ में शेर की परछाई दिखाई ।
4. शेर गुस्से में आकर ___________ में कूद गया।
5. सभी जानवर ________ गए।

मिलान करें / Milan karen / Match the Following

शेर		**योजना बनाई**
खरगोश	•	**परछाई दिखाई**
कुआँ	•	**बच गए**
जानवर	•	**चालाक खरगोश से हारा**

सही या गलत / Sahi ya galat / True or False

1. शेर बहुत दयालु था । ☐
2. खरगोश ने अपनी बुद्धि से शेर को हराया । ☐
3. शेर ने कुएँ में कूदकर जान बचाई । ☐

सही विकल्प चुनें / Sahi vikalp chunein / Choose the correct option

1. शेर कहाँ रहता था?

अ. मैदान में

ब. नदी में

स. जंगल में

द. पहाड़ पर

2. जानवरों ने शेर से क्या निवेदन किया?

अ. वह जंगल छोड़ दे

ब. रोज केवल एक जानवर खाए

स. वह मांस खाना छोड़ दे

द. सभी जानवरों को छोड़ दे

3. शेर की मृत्यु कैसे हुई?

अ. भूख से

ब. बीमार होकर

स. कुएँ में गिरकर

द. लड़ाई में

4. शेर रोज कितने जानवरों को मारता था?

अ. एक

ब. बहुत सारे

स. दो

द. पाँच

5. खरगोश शेर को कहाँ ले गया?

अ. पेड़ के पास

ब. नदी के पास

स. कुएँ के पास

द. झोपड़ी के पास

6. **कहानी में शेर की क्या विशेषता बताई गई है?**

अ. वह बहुत दयालु था।

ब. वह बहुत खतरनाक था।

स. वह बहुत आलसी था।

द. वह बहुत कमजोर था।

************ क ख ग Ka Kha Ga ************

20 बेशकीमती फूलदान / Beshkimati Phooldan

तेनालीराम की कहानी / Tenali Ram ki Kahani / Story of Tenali Ram

हिंदी :-

विजयनगर का वार्षिक उत्सव बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता था। जिसमें आसपास के राज्यों के राजा भी महाराज के लिए बेशकीमती उपहार लेकर आते थे। हर बार की तरह इस बार भी महाराज को बहुत से उपहार मिले। सारे उपहार में महाराज को रत्नजड़ित रंग-बिरंगे चार फूलदान बहुत ही पसंद आए। महाराज ने उन फूलदानों को अपने विशेष कक्ष में रखवाया और उन फूलदानों की रखवाली के लिए एक सेवक भी रख लिया। सेवक रमैया बहुत ही ध्यान से उन फूलदानों की रखवाली करता था क्योंकि उसे ये काम सौंपने से पहले ही बता दिया गया था कि अगर उन फूलदानों को कोई भी नुकसान पहुंचा तो उसे अपनी जान से हाथ धोना पड़ेगा।

एक दिन रमैया बहुत ही सावधानी से उन फूलदानों की सफाई कर रहा था कि अचानक उसके हाथ से एक फूलदान छूटकर ज़मीन पर गिरकर चकनाचूर हो गया। जैसे ही महाराज को ये बात पता चली तो उन्होंने चार दिन बाद रमैया को फांसी देने का आदेश सुना डाला। महाराज का ये आदेश सुनते ही तेनालीराम महाराज के पास आया और बोला, "महाराज एक फूलदान के टूट जाने पर आप अपने इतने पुराने सेवक को मृत्युदंड कैसे दे सकते हैं ? ये तो सरासर नाइंसाफी है।"

परंतु महाराज उस समय बहुत ही गुस्से में थे इसलिए उन्होंने तेनालीराम की बात पर विचार करना ज़रूरी नहीं समझा। जब महाराज नहीं समझे तो तेनालीराम रमैया के पास गया और उससे बोला, "तुम चिंता मत करो। अब मैं जो कहूँ तुम उसे ध्यान से सुनना और फांसी से पहले तुम वैसा ही करना। मैं यकीन दिलाता हूँ कि तुम्हें कुछ नहीं होगा।" रमैया ने तेनालीराम की सारी बातें बड़े ही ध्यान से सुनी और बोला, "मैं ऐसा ही करूँगा।" फांसी का दिन आ गया। फांसी के समय महाराज भी वहाँ उपस्थित थे। फांसी देने से पहले रमैया से उसकी अंतिम इच्छा पूछी गई। तब रमैया बोला," मैं एक बार बचे हुए तीनों फूलदान को देखना चाहता हूँ, जिनकी वजह से मुझे फांसी पर लटकाया जा रहा है।" रमैया की अंतिम इच्छा के अनुसार महाराज ने उन तीनों फूलदान को लाने का आदेश दिया।

अब जैसे ही फूलदान रमैया के सामने आए तो उसने तेनालीराम के कहे अनुसार तीनों फूलदान को ज़मीन पर गिराकर तोड़ दिया। रमैया के फूलदान तोड़ते ही महाराज गुस्से से आग-बबूला हो गए और चिल्लाकर बोले, " ये तुमने क्या किया आखिर तुमने इन्हें क्यों तोड़ डाला।" रमैया बोला, "महाराज आज एक फूलदान टूटा है तो मुझे फांसी दी जा रही है। ऐसे ही जब ये तीनों भी टूटेंगे तो तीन और लोगों को मृत्युदंड दिया जाएगा। मैंने इन्हें तोड़कर तीन लोगों की जान बचा ली है क्योंकि इंसानों की जान से ज्यादा कीमती कुछ नहीं हो सकता।"

रमैया की बात सुनकर महाराज का गुस्सा शांत हो गया और उन्होंने रमैया को भी छोड़ दिया। फिर उन्होंने रमैया से पूछा, "तुमने ये सब किसके कहने पर किया था।" रमैया ने सब सच-सच बता दिया। तब महाराज ने तेनालीराम को अपने पास बुलाया और बोले, "आज तुमने एक निर्दोष की जान बचा ली और हमें भी यह बतला दिया कि गुस्से में लिए गए फैसले हमेशा गलत होते हैं। तेनालीराम तुम्हारा बहुत-बहुत शुक्रिया।"

Roman:-

Vijayanagar ka varshik utsav bahut hi dhoomdhaam se manaya jaata tha. Jismein aaspaas ke raajyon ke raja bhi Maharaj ke liye beshkimati uphaar lekar aate the. Har baar ki tarah is baar bhi Maharaj ko bahut se uphaar mile. Saare uphaar mein Maharaj ko ratnajadit rang-birange chaar phooldaan bahut hi pasand aaye. Maharaj ne un phooldaanon ko apne vishesh kaksh mein rakhvaaya aur un phooldaanon ki rakhvaali ke liye ek sevak bhi rakh liya. Sevak Ramaiya bahut hi dhyaan se un phooldaanon ki rakhvaali karta tha kyonki use yeh kaam saunpne se pehle hi bata diya gaya tha ki agar un phooldaanon ko koi bhi nuksaan pahunchaa to use apni jaan se haath dhona padega.

Ek din Ramaiya bahut hi saavdhaani se un phooldaanon ki safai kar raha tha ki achaanak uske haath se ek phooldaan chhootkar zameen par girkar chaknaachoor ho gaya. Jaise hi Maharaj ko yeh baat pata chali to unhone chaar din baad Ramaiya ko faansi dene ka aadesh suna daala. Maharaj ka yeh aadesh sunte hi Tenaliraam Maharaj ke paas aaya aur bola, “Maharaj, ek phooldaan ke toot jaane par aap apne itne puraane sevak ko mrityudand kaise de sakte hain? Yeh to sarasar naainsaafi hai.”

Parantu Maharaj us samay bahut hi gusse mein the isliye unhone Tenaliraam ki baat par vichaar karna zaroori nahi samjha. Jab Maharaj nahi samjhe to Tenaliraam Ramaiya ke paas gaya aur usse bola, “Tum chinta mat karo. Ab main jo kahoon tum use dhyaan se sunna aur faansi se pehle tum waisa hi karna. Main yakin dilata hoon ki tumhe kuch nahi hoga.” Ramaiya ne Tenaliraam ki saari baatein bade hi dhyaan se suni aur bola, “Main aisa hi karoonga.”

Faansi ka din aa gaya. Faansi ke samay Maharaj bhi wahan upasthit the. Faansi dene se pehle Ramaiya se uski antim ichchha poochhi gayi. Tab Ramaiya bola, “Main ek baar bache hue teen phooldaanon ko dekhna chahta hoon jinki wajah se mujhe faansi par latkaaya jaa raha hai.” Ramaiya ki antim ichchha ke anuroop Maharaj ne un teen phooldaanon ko laane ka aadesh diya.

Ab jaise hi phooldaan Ramaiya ke saamne aaye to usne Tenaliraam ke kahe anusar teeno phooldaanon ko zameen par girakar tod diya. Ramaiya ke phooldaan todte hi Maharaj gusse se aag-baboola ho gaye aur chillakar bole, “Yeh tumne kya kiya, aakhir tumne inhein kyon tod daala?” Ramaiya bola, “Maharaj, aaj ek phooldaan toota hai to mujhe faansi di ja rahi hai. Aise hi jab yeh teeno bhi tootenge to teen aur logon ko mrityudand diya jaayega. Maine inhein todkar teen logon ki jaan bacha li hai kyonki insaanon ki jaan se zyada kimti kuch nahi ho sakta.”

Ramaiya ki baat sunkar Maharaj ka gussa shaant ho gaya aur unhone Ramaiya ko bhi chhod diya. Phir unhone Ramaiya se poochha, “Tumne yeh sab kiske kehne par kiya tha?” Ramaiya ne sab sach-sach bata diya. Tab Maharaj ne Tenaliraam ko apne paas bulaya aur bole, “Aaj tumne ek nirdosh ki jaan bacha li aur humein bhi yeh batla diya ki gusse mein liye gaye faisle hamesha galat hote hain. Tenaliraam, tumhara bahut bahut shukriya.”

English:-

The annual festival of Vijayanagar was celebrated with great pomp. Kings from neighboring states would also come bringing precious gifts for the emperor. Like every year, this time too the emperor received many gifts. Among all the gifts, the emperor particularly liked four colorful, gem-studded vases. He had them placed in his special chamber and assigned a servant to guard them. The servant Ramaiya took great care of the vases because he had been warned that if any harm came to them, he would lose his life.

One day, while cleaning the vases carefully, Ramaiya accidentally dropped one, and it shattered on the floor. As soon as the emperor found out, he ordered that Ramaiya be hanged after four days. Hearing this, Tenali Rama went to the emperor and said, “Your Majesty, how can you sentence such a loyal servant to death for breaking just one vase? This is sheer injustice.”

However, the emperor was very angry at the time and did not consider Tenali Rama’s words important. When the emperor did not listen, Tenali Rama went to Ramaiya and said, “Don’t worry. Just listen to me carefully and do exactly as I say before the execution. I promise nothing will happen to you.” Ramaiya listened attentively and agreed.

The day of execution finally arrived, and the emperor himself was present to witness it. Just before the hanging, Ramaiya was asked if he had any last wish. Calmly, he replied, “I wish to see the remaining three vases once more, for it is because of them that I am being put to death.” On hearing this, the emperor granted his request and ordered the three vases to be brought immediately.
As soon as they were presented to him, Ramaiya, following Tenali Rama’s instructions, threw them to the ground and smashed them. The emperor became furious and shouted, “What have you done? Why did you break them?” Ramaiya calmly replied, “Your Majesty, today I am being sentenced to death for one broken vase. When the other three break, three more lives will be taken. By breaking them now, I have saved three people’s lives. Nothing can be more precious than a human life.”

Hearing this, the emperor’s anger cooled down, and he pardoned Ramaiya. Then he asked, “Who told you to do all this?” Ramaiya told him everything honestly. The emperor then called Tenali Rama and said, “Today you saved an innocent man’s life and also taught us those decisions made in anger are always wrong. Thank you very much, Tenali Rama.”

शब्दावली / Shabdavali / Vocabulary

हिंदी	Roman	English
फूलदान	Phooldaan	Flower vase
महाराज	Maharaj	King
सेवक	Sevak	Servant
फांसी	Faansi	Death penalty
इच्छा	Ichchha	Wish
तोड़ना	Todna	To break
निर्दोष	Nirdosh	Innocent
गुस्सा	Gussa	Anger
आदेश	Aadesh	Order

अभ्यास / abhyas / Exercises

सही विकल्प चुनें / Sahi vikalp chunen / Choose the correct option

1. महाराज को कौन-सा उपहार सबसे ज्यादा पसंद आया?

अ) तलवार

ब) हार

स) रत्नजड़ित फूलदान

द) सिंहासन

2. रमैया को क्या सजा सुनाई गई थी?

अ) देश निकाला

ब) फांसी

स) जेल

द) नौकरी से निकालना

3. रमैया ने अंतिम इच्छा में क्या माँगा?

अ) भोजन

ब) तीनों फूलदान को देखना

स) तेनालीराम से मिलना

द) छुट्टी

4. रमैया ने फूलदान क्यों तोड़ दिए?

अ) गुस्से में

ब) बदला लेने के लिए

स) तीन लोगों की जान बचाने के लिए

द) तेनालीराम को फँसाने के लिए

5. इस कहानी से क्या सीख मिलती है?

अ) तोड़-फोड़ सही है

ब) गुस्से में निर्णय नहीं लेना चाहिए

स) राजा हमेशा सही होता है

द) सेवक बेवकूफ होते हैं

खाली स्थान भरें / Khali sthan bharein / Fill in the blanks/

1. ________ ने चारों फूलदान राजा को भेंट किए ।
2. तेनालीराम ने कहा, "________ उसे माफ कर दीजिए ।"
3. यह ________ रमैया की जान से कीमती नहीं हैं ।
4. जब फूलदान टूटा, ________ डर गया ।
5. महाराज ने पूछा, "यह सब ________ ने सिखाया ?"

************* *************

21

झाँसी की रानी / Jhansi Ki Rani / Queen of Jhansi

हिंदी :-	Roman :-
सिंहासन हिल उठे राजवंशों ने भृकुटी तानी थी, बूढ़े भारत में आई फिर से नई जवानी थी, गुमी हुई आज़ादी की कीमत सबने पहचानी थी, दूर फिरंगी को करने की सबने मन में ठानी थी। चमक उठी सन सत्तावन में, वह तलवार पुरानी थी, बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी, खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी..	Singhasan hil uthe rajvanshon ne bhrikuti tani thi, Boodhe Bharat mein aayi fir se nai jawaani thi, Gumi hui aazaadi ki kimat sabne pahchaani thi, Door firangi ko karne ki sab ne man mein thaani thi. Chamak uthi san sattavan mein, vah talvaar puraani thi, Bundele harbolon ke munh hamne suni kahaani thi, Khoob ladi mardaani, vah to Jhansi wali Rani thi.

English :-

The throne got shook, and the tension erupted among the Raajvanshs, the royal heirs of the throne
In aged India, a new wave of youth was spreading,
All the inhabitants of India had realized the worth of their lost freedom,
All of them had decided to get rid of the British rule,
The old swords started glittering again like new ones in the form of the freedom movement in 1857
From the mouths of the Bandelas and the Harbolas (Religious singers of Bandelkhan),

we heard the tale of the courage of the Queen of Jhansi relating how gallantly she fought like a man a
the British intruders: such was the Queen of Jhansi.

हिंदी :-	**Roman :-**
कानपुर के नाना की, मुँहबोली बहन छबीली थी, लक्ष्मीबाई नाम, पिता की वह संतान अकेली थी, नाना के सँग पढ़ती थी वह, नाना के सँग खेली थी, बरछी ढाल, कृपाण, कटारी उसकी यही सहेली थी। वीर शिवाजी की गाथाएँ उसको याद ज़बानी थी, बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी, खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी.. ।	Kanpur ke Nana ki muhn boli behan Chhavili thi, Lakshmibai naam, pita ki vah santaan akeli thi, Nana ke sang padhti thi vah, Nana ke sang kheli thi, Barchhi, dhaal, kripaan, kataari, uski yahi saheli thi. Veer Shivaji ki gathaayen usko yaad zabaani thi, Bundele harbolon ke munh hamne suni kahaani thi, Khoob ladi mardaani, vah to Jhansi wali Rani thi.

English :-
She was as dear to the Nana (Nana Dhundhupant) of Kanpur as her real sister,
Her name was Laxmibai and she was the only daughter of her parents,

She had been with Nana from her early childhood, since she was a school student.
Spear, knife, sword, axe were her companions all the time.
She had learned by heart the valorous stories of shivaji (a renowned king of Maharashtrअ).
From the mouths of the Bandelas and the Harbolas (Religious singers of Bandelkhanद), we heard the tale of the courage of the Queen of Jhansi relating how gallantly she fought like a man against the British intruders: such was the Queen of Jhansi.

अभ्यास / Abhyas / Exercise

रिक्त स्थान भरें / Rikt sthanon ko bharein / Fill in the blanks

1. कानपुर के नाना की मुँह बोली बहन _______ थी ।
2. लक्ष्मीबाई नाम पिता की वह संतान _______ थी ।
3. लक्ष्मीबाई की सहेली ______, ______, कृपाण और कटारी थीं ।
4. वीर शिवाजी की गाथाएँ उसे _______ थी ।

सही उत्तर चुनिए / Sahi uttar chuniye / Choose the correct answer

1. लक्ष्मीबाई किसके साथ पढ़ती और खेलती थी?
अ) अपनी बहन के साथ
ब) अंग्रेज़ों के साथ
स) नाना के साथ
द) राजाओं के साथ

2. लक्ष्मीबाई को किन शस्त्रों से मित्रता थी?
अ) किताब और पेन
ब) ढाल और बर्छी
स) फूल और मिठाई
द) धनुष और तीर

3. कविता में 'दूर फिरंगी को करने' का क्या अर्थ है?
अ) अंग्रेजों को देश से भगाने की योजना
ब) अंग्रेजों से दोस्ती करने की इच्छा
स) अंग्रेजों को सम्मान देने की बात
द) अंग्रेजों के साथ व्यापार करने की इच्छा

4. कविता में किसके गाथाओं को रानी लक्ष्मीबाई द्वारा याद करने का उल्लेख है?
अ) भगत सिंह
ब) शिवाजी

स) अकबर

द) चंद्रगुप्त

5. कविता में किसकी वीरता की कहानी का वर्णन है?

अ) रानी दुर्गावती

ब) रानी लक्ष्मीबाई

स) रानी चेन्नम्मा

द) रानी अहिल्याबाई

अपने शब्दों में लिखिए / Apne shabdon mein likhen / Write in your own words

झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?

शब्दावली/ Shabdavali / Vocabulary

हिंदी	Roman	English
कानपुर	Kanpur	A city in Uttar Pradesh
नाना	Nana	Nana Saheb, leader of 1857 revolt
मुँहबोली बहन	Munhboli Behan	Adopted / sworn sister
छबीली	Chhabili	Childhood name of Rani Lakshmibai
संतान	Santaan	Offspring / child
बरछी	Barchhi	Spear
ढाल	Dhaal	Shield
कृपाण	Kripaan	Sword
कटारी	Kataari	Dagger
सहेली	Saheli	Female friend
वीर शिवाजी	Veer Shivaji	Brave Maratha king Shivaji
गाथा	Gatha	Epic / legend
याद ज़बानी	Yaad Zabaani	Memorized orally
बुंदेले हरबोले	Bundele Harbole	Ballad singers of Bundelkhand
हरबोला	Harbola	Folk heroic storyteller/singer
मर्दानी	Mardaani	Brave woman
सिंहासन	Sinhasan	Throne
राजवंश	Rajvansh	Royal dynasty
भृकुटी तानना	Bhrikuti Taanna	To frown angrily
बूढ़ा भारत	Boodha Bharat	Old / enslaved India
नई जवानी	Nai Jawani	Youth
गुमी हुई आज़ादी	Gumi Hui Azaadi	Lost freedom
फिरंगी	Firangi	British / foreign ruler
ठानी	Thaanee	Took a firm resolve
सन सत्तावन	San Sattavan	The year 1857
तलवार पुरानी	Talvaar Puraani	The old sword (symbol of historical bravery)

************* *************

22

चंद्रशेखर आज़ाद/ Chandrashekhar Azad

हिंदी :-

चंद्रशेखर आज़ाद भारत की आज़ादी के महान नायक थे। उनका जन्म जन्म 23 जुलाई 1906 को मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में एक साधारण परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम सीताराम और माता का नाम जगरानी देवी था। उनके माता-पिता चाहते थे कि उनका बेटा संस्कृत का विद्वान बने, इसलिए उन्हें वाराणसी पढ़ने के लिए भेजा गया, लेकिन उनका मन वहाँ नहीं लगा। वे अपने नाना के घर अलीपुर चले गए, जहाँ उन्होंने भील लोगों से धनुष-बाण चलाना सीखा और जल्दी ही अच्छे निशानेबाज़ बन गए। बाद में वे फिर काशी लौटे और संस्कृत पढ़ने की कोशिश की, पर उन्हें एक जगह बैठना पसंद नहीं था। वे गंगा में तैरते या रामायण, महाभारत की कहानियाँ सुनते। वीरों की कहानियाँ उन्हें बहुत पसंद थीं।

Roman :-

Chandrashekhar Azad Bharat ki azadi ke mahaan nayak the. Unka janm 23 July 1906 ko Madhya Pradesh ke Jhabua jile mein ek sadharan parivaar mein hua tha. Unke pita ka naam Sitaram aur mata ka naam Jagrani Devi tha. Unke mata-pita chahte the ki unka beta Sanskrit ka vidwan bane, isliye unhe Varanasi padhne ke liye bheja gaya, lekin unka man wahan nahi laga. Ve apne nana ke ghar Alipur chale gaye, jahan unhone Bhil logon se dhanush-baan chalana seekha aur jaldi hi acche nishanebaaz ban gaye. Baad mein ve phir Kashi laute aur Sanskrit padhne ki koshish ki, par unhe ek jagah baithna pasand nahi tha. Ve Ganga mein tairte ya Ramayan, Mahabharat ki kahaniyan sunte. Veeron ki kahaniyan unhe bahut pasand thi.

English :-

Chandrashekhar Azad was a great hero of India's freedom struggle. He was born on July 23, 1906, in a simple family in Jhabua district, Madhya Pradesh. His father's name was Sitaram, and his mother's name was Jagrani Devi. His parents wanted him to become a Sanskrit scholar, so they sent him to Varanasi to study, but he wasn't interested. He went to his grandfather's house in Alipur, where he learned archery from the Bhil people and soon became a skilled marksman. Later, he returned to Kashi and tried studying Sanskrit, but he didn't like staying in one place. He

would swim in the Ganga for hours or listen to stories from the Ramayana and Mahabharata. He loved tales of brave warriors.

हिंदी :-

जब आज़ाद 10-11 साल के थे, तब जलियाँवाला बाग में अंग्रेज़ों ने सैकड़ों निर्दोष भारतीयों को गोली मार दी। इस घटना ने उन्हें अंदर तक झकझोर दिया। इतनी छोटी उम्र में ही उन्होंने अंग्रेज़ों के खिलाफ कुछ करने की ठानी। जब गांधीजी ने 1921 में असहयोग आंदोलन शुरू किया, तो 15 वर्षीय चंद्रशेखर उसमें शामिल हो गए । उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया । जब न्यायालय में उनका नाम पूछा गया, तो उन्होंने कहा

नाम: आज़ाद
पिता का नाम: स्वतंत्रता
पता: जेल

तब से उनका नाम 'आज़ाद' प्रसिद्ध हो गया । आज़ाद क्रांतिकारियों के एक बड़े संगठन में शामिल हो गए, जो मानते थे कि अंग्रेज़ों को डराकर भारत से भगाना होगा। 1925 में उनके संगठन ने काकोरी स्टेशन के पास ट्रेन रोककर सरकारी खज़ाना लूट लिया। कई क्रांतिकारी पकड़े गए, लेकिन आज़ाद बच निकले। अंग्रेज़ों ने उन्हें पकड़ने के लिए इनाम रखा, पर आज़ाद ने कसम खाई थी कि वे ज़िंदा नहीं पकड़े जाएँगे।

काकोरी कांड में उनके साथी रामप्रसाद बिस्मिल, अशफ़ाकउल्ला और दूसरों को फाँसी हुई। अब क्रांतिकारी दल की ज़िम्मेदारी आज़ाद पर थी। भगतसिंह जैसे साथियों के साथ मिलकर उन्होंने अंग्रेज़ों के खिलाफ काम तेज़ किया। 1928 में लाला लाजपतराय की मौत का बदला लेने के लिए उन्होंने पुलिस अफसर सांडर्स को मार डाला। 1929 में भगतसिंह और बटुकेश्वर दत्त ने असेंबली में बम फेंका, पर आज़ाद फिर बच निकले।

27 फरवरी 1931 को इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में पुलिस ने आज़ाद को घेर लिया। उन्होंने एक घंटे तक गोलीबारी की। जब गोलियाँ खत्म होने लगीं, तो आखिरी गोली उन्होंने खुद को मार ली,

Roman :-

Jab Azad 10-11 saal ke the, tab Jallianwala Bagh mein Angrezon ne sauon nirdosh Bharatiyon ko goli maar di. Is ghatna ne unhe andar tak jhakjhor diya. Itni chhoti umar mein hi unhone Angrezon ke khilaf kuch karne ki thani. Jab Gandhiji ne 1921 mein Asahyog Andolan shuru kiya, to 15 varshiya Chandrashekhar usmein shamil ho gaye. Unhe giraftar kar liya gaya. Jab nyayalay mein unka naam poocha gaya, to unhone kaha:

Naam: Azad
Pita ka naam: Swatantrata
Pata: Jail

Tab se unka naam 'Azad' prasiddh ho gaya.

Azad krantikariyon ke ek bade sangathan mein shamil ho gaye, jo mante the ki Angrezon ko darakar Bharat se bhagana hoga. 1925 mein unke sangathan ne Kakori Station ke paas train rokkar sarkari khazana loot liya. Kai krantikari pakde gaye, lekin Azad bach nikle. Angrezon ne unhe pakadne ke liye inam rakha, par Azad ne kasam khayi thi ki ve zinda nahi pakde jayenge.

Kakori Kand mein unke saathi Ramprasad Bismil, Ashfaqulla aur doosron ko faansi hui. Ab krantikari dal ki zimmedari Azad par thi. Bhagat Singh jaise saathiyon ke sath milkar unhone Angrezon ke khilaf kaam tez kiya. 1928 mein Lala Lajpatrai ki maut ka badla lene ke liye unhone police afsar Saunders ko maar dala. 1929 mein Bhagat Singh aur Batukeshwar Dutt ne Assembly mein bomb fenka, par Azad phir bach nikle.

27 February 1931 ko Allahabad ke Alfred Park mein police ne Azad ko gher liya. Unhone ek ghante tak golibaari ki. Jab goliyan khatm hone lagi, to aakhri goli unhone khud ko maar li, taki zinda na pakde jayen. Aaj Alfred Park mein unki pratima hai. Har koi us veer ko shraddhanjali deta hai, jisne desh ki azadi ke liye apni

ताकि ज़िंदा न पकड़े जाएँ। आज अल्फ्रेड पार्क में उनकी प्रतिमा है। हर कोई उस वीर को श्रद्धांजलि देता है, जिसने देश की आज़ादी के लिए अपनी जान दे दी। लेकिन अंग्रेजों के आगे कभी सिर नहीं झुकाया ।	jaan de di, lekin Angrezon ke aage kabhi sir nahi jhukaya.

English :-

When Azad was 10-11 years old, the British massacred hundreds of innocent Indians at Jallianwala Bagh. This incident shook him deeply. Despite his young age, he resolved to fight against the British. When Gandhiji launched the Non-Cooperation Movement in 1921, 15-year-old Chandrashekhar joined it. He was arrested, and when asked his details in court, he boldly said:

Name: Azad

Father's name: Swatantrata (Freedom)

Address: Jail

From then on, he became famous as "Azad."

Azad joined a large revolutionary organization that believed the British could only be driven out of India by fear. In 1925, his group stopped a train near Kakori Station and looted the government treasury. Many revolutionaries were caught, but Azad escaped. The British announced a reward for his capture, but Azad vowed never to be caught alive.

In the Kakori case, his comrades Ramprasad Bismil, Ashfaqulla, and others were hanged. The responsibility of leading the revolutionary group fell on Azad. With companions like Bhagat Singh, he intensified the fight against the British. In 1928, to avenge Lala Lajpatrai's death, they killed police officer Saunders. In 1929, Bhagat Singh and Batukeshwar Dutt threw a bomb in the Assembly, but Azad escaped again.

On February 27, 1931, the police surrounded Azad in Allahabad's Alfred Park. He fought them for an hour. When his bullets ran low, he used the last one to shoot himself, fulfilling his vow never to be captured alive. Today, a statue stands in Alfred Park, and everyone pays tribute to the brave soul who sacrificed his life for India's freedom.

He gave his life for India's independence but never bowed to the British.

अभ्यास / abhyas / Exercise

वस्तुनिष्ठ प्रश्न / Vastunishth prashn / Objective Questions

1. चंद्रशेखर आज़ाद का जन्म कहाँ हुआ था?
   अ) वाराणसी
   ब) झाबुआ
   स) प्रयागराज
   द) दिल्ली

2. चंद्रशेखर आज़ाद के पिता का नाम क्या था?
   अ) पंडित मदनमोहन मालवीय
   ब) भगत सिंह
   स) पंडित सीताराम तिवारी
   द) रामप्रसाद बिस्मिल

3. असहयोग आंदोलन के समय चंद्रशेखर की आयु कितनी थी?
   अ) 13 वर्ष
   ब) 15 वर्ष
   स) 17 वर्ष
   द) 19 वर्ष

4. लाला लाजपत राय की मृत्यु का बदला किसे मारकर लिया गया?
   अ) जनरल डायर
   ब) लॉर्ड माउंटबेटन
   स) सांडर्स
   द) इरविन

5. चंद्रशेखर आज़ाद ने बलिदान कहाँ दिया?
   अ) काकोरी
   ब) दिल्ली
   स) झाँसी
   द) अल्फ्रेड पार्क, इलाहाबाद

लघु उत्तरीय प्रश्न / Laghu uttariya prashn / Short Answer Questions/

1. चंद्रशेखर आज़ाद के माता-पिता उन्हें कहाँ पढ़ने भेजना चाहते थे?

2. चंद्रशेखर आज़ाद को 'आज़ाद' नाम कैसे मिला?

रिक्त स्थान भरें/ Rikt sthan bharen / Fill in the blanks

1. चंद्रशेखर आज़ाद का जन्म __________ जिले के भाबरा गाँव में हुआ था ।
2. असहयोग आंदोलन में भाग लेने पर उन्हें __________ ने गिरफ्तार किया ।
3. चंद्रशेखर ने न्यायालय में अपना नाम __________ बताया ।
4. आज़ाद को __________ में बहुत दक्षता थी ।

सही मिलान कीजिए / Milan kijiye / Match the following

काकोरी		**1925**
लाला लाजपत राय की मृत्यु	●	**सांडर्स को मारना**
आज़ाद का बलिदान	●	**अल्फ्रेड पार्क**
आज़ाद का पता	●	**जेल**

शब्दावली / Shabdavali / Vocabulary

हिंदी	English	Roman
आज़ादी	Azaadi	Freedom / Independence
नायक	Naayak	Hero
साधारण	Saadhaaran	Simple
विद्वान	Vidvaan	Scholar
निशानेबाज़	Nishaane-baaz	Sharpshooter
भील	Bheel	Bhil (a tribal community)
कहानियाँ	Kahaniyaan	Stories
झकझोर देना	Jhakhjor dena	To shake emotionally / disturb deeply
घटना	Ghatna	Incident
असहयोग आंदोलन	Asahayog Aandolan	Non-Cooperation Movement
न्यायालय	Nyayalay	Court
स्वतंत्रता	Swatantrata	Freedom
क्रांतिकारी	Krantikaari	Revolutionary
खज़ाना	Khazaana	Treasure
इनाम	Inaam	Reward
ज़िम्मेदारी	Zimmedaari	Responsibility
बदला	Badla	Revenge
गोलीबारी	Goleebaari	Firing
प्रतिमा	Pratima	Statue
श्रद्धांजलि	Shraddhanjali	Tribute
सिर झुकाना	Sir Jhukaana	To bow down / surrender
संगठन	Sangathan	Organization
कसम	Kasam	Oath
जेल	Jail	Prison
पकड़ना	Pakadna	To arrest
मौत	Maut	Death
बम फेंकना	Bam Phenkna	To throw bomb
फाँसी	Fansi	Hanging (Death penalty)

************* *************

23 आर्यभट्ट : शून्य की खोज / Aryabhatta : Shunya ki khoj / Aryabhatta : Search of Zero

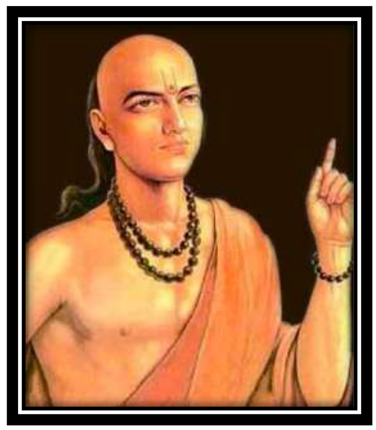

आर्यभट्ट भारत के एक महान गणितज्ञ और खगोलशास्त्री थे। आर्यभट्ट का जन्म 476 ईस्वी में बिहार के कुसुमपुर में हुआ था, जिसे आज हम पटना के नाम से जानते हैं। उस समय भारत में गुप्त साम्राज्य का शासन था, और यह समय ज्ञान-विज्ञान का स्वर्ण युग था। आर्यभट्ट बचपन से ही बहुत होशियार थे। उन्होंने कम उम्र में गणित और खगोलशास्त्र में गहरा ज्ञान प्राप्त कर लिया। उन्होंने गणित और खगोलविज्ञान में ऐसे आश्चर्यजनक कार्य किए, जो आज भी हमें प्रेरित करते हैं। उनके ज्ञान से पूरी दुनिया प्रभावित हुई। आर्यभट्ट ने 25 साल की उम्र में एक बहुत महत्वपूर्ण किताब लिखी, जिसका नाम था 'आर्यभटीय'। इस किताब में उन्होंने गणित और खगोलशास्त्र के कई रहस्य समझाए।

आर्यभट्ट ने कई अद्भुत खोज कीं, जो आज भी महत्वपूर्ण हैं

शून्य की खोज : उन्होंने शून्य की खोज की थी, जो आज हर गणना का आधार है।

पाई का मान: उन्होंने पाई (π) का मान 3.1416 बताया, जो बहुत सटीक था।

पृथ्वी की गति: आर्यभट्ट ने सबसे पहले कहा कि पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है और सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाती है।

त्रिकोणमिति: उन्होंने 'ज्या' (साइन) और 'कोज्या' (कोसाइन) जैसे गणितीय सिद्धांत बनाए, जो आज त्रिकोणमिति में उपयोग होते हैं ।

ग्रहण और समय: उन्होंने सूर्य और चंद्र ग्रहण की गणना करने के तरीके बताए।

आर्यभट्ट की खोजों का असर भारत के साथ-साथ अरब देशों और यूरोप तक पहुंचा। उनकी किताब 'आर्यभटीय' का अरबी में अनुवाद हुआ और दुनिया भर के वैज्ञानिकों ने उनके सिद्धांतों को पढ़ा। उनकी वजह से गणित और खगोलशास्त्र में कई नई खोजें हुई ।

आर्यभट्ट के सम्मान में भारत के पहले उपग्रह का नाम 'आर्यभट्ट' रखा गया। उनके नाम पर कई स्कूल, विश्वविद्यालय और शोध संस्थान भी हैं। आज भी स्कूलों में उनके सिद्धांत पढ़ाए जाते हैं। आर्यभट्ट का जीवन हमें सिखाता है कि मेहनत और लगन से हम बड़े-बड़े काम कर सकते हैं।

Roman:-

Aryabhatta Bharat ke ek mahaan ganitagya aur khagolshastri the. Aryabhatta ka janm 476 Isvi mein Bihar ke Kusumpur mein hua tha, jise aaj hum Patna ke naam se jaante hain. Us samay Bharat mein Gupt Samrajya ka shasan tha, aur yah samay gyaan-vigyaan ka swarn yug tha. Aryabhatta bachpan se hi bahut hoshiyaar the. Unhone kam umr mein ganit aur khagolshastra mein gahra gyaan prapt kar liya. Unhone ganit aur khagolshastra mein aise aashcharyajanak kaam kiye, jo aaj bhi humein prerit karte hain. Unake gyaan se puri duniya prabhaavit hui. Aryabhatta ne 25 saal ki umra mein ek bahut mahatvapurn kitaab likhi, jiska naam tha ‘Aryabhatiya’. Is kitaab mein unhone ganit aur khagolshastra ke kai rahasya samjhaaye.

Aryabhatta ne kai adbhut khojein ki, jo aaj bhi mahatvapurn hain:

- **Shunya ki khoj**: Unhone shunya ki khoj ki thi, jo aaj har ganana ka aadhar hai.
- **Pi** (π) **ka maan**: Unhone pi (π) ka maan 3.1416 bataya, jo bahut satik tha.
- **Prithvi ki gati**: Aryabhatta ne sabse pehle kaha ki prithvi apni dhuri par ghoomti hai aur surya ke charon taraf chakkar lagati hai.
- **Trikonmiti**: Unhone ‘jya’ (sine) aur ‘kojya’ (cosine) jaise ganit ke siddhant banaye.
- **Grahan aur samay**: Unhone surya aur chandra grahan ki ganana ke tarike bataye.

Aryabhatta ki khojon ka prabhav Bharat ke saath-saath Arab deshon aur Europe tak pahuncha. Unki kitaab ‘Aryabhatiya’ ka Arabi mein anuvaad hua, aur duniya bhar ke vaigyanikon ne unke siddhanton ko padha. Unki wajah se ganit aur khagolshastra mein kai nai khojein hui.

Aryabhatta ke sammaan mein Bharat ke pehle upgrah ka naam ‘Aryabhatta’ rakha gaya. Unke naam par kai school, vishwavidyalay aur anusandhan sansthan bhi hain. Aaj bhi schoolon mein unke siddhant padhaaye jaate hain. Aryabhatta ka jeevan humein sikhata hai ki mehnat aur lagan se hum bade-bade kaam kar sakte hain.

English:-

Aryabhatta was a great mathematician and astronomer of India. He was born in 476 AD in Kusumpura, Bihar, which presently known as Patna. At that time, India was under the Gupta Empire, and it was a golden age of knowledge and science. Aryabhatta was very intelligent from a young age. He gained deep knowledge of mathematics and astronomy at an early age. He made such astonishing contributions to these fields that they still inspire us today. The whole world was impressed by his knowledge.

At the age of 25, Aryabhatta wrote a very important book called *Aryabhatiya*. In this book, he explained many mysteries of mathematics and astronomy.

Aryabhatta made many amazing discoveries that are still important today:

- **Discovery of zero**: He introduced the concept of zero, which is the foundation of all calculations today.
- **Value of Pi** (π): He calculated the value of pi (π) as 3.1416, which was very accurate.
- **Earth's motion**: Aryabhatta was the first to say that the Earth rotates on its axis and revolves around the Sun.
- **Trigonometry**: He developed mathematical concepts like 'jya' (sine) and 'kojya' (cosine), which are used in trigonometry today.
- **Eclipses and Time**: He gave methods to calculate solar and lunar eclipses.

Aryabhatta's discoveries influenced not just India, but also Arab countries and Europe. His book *Aryabhatiya* was translated into Arabic, and scientists across the world studied his theories. Because of him, many new discoveries in mathematics and astronomy became possible.

India's first satellite was named *Aryabhata* in his honor. Many schools, universities, and research institutes are named after him. Even today, his theories are taught in schools. Aryabhatta's life teaches us that with hard work and dedication, we can achieve great things.

अभ्यास / Abhyas / Exercises

वस्तुनिष्ठ प्रश्न / Vastunishth prashn /Objective Questions)

1. आर्यभट्ट ने किस आयु में 'आर्यभटीय' ग्रंथ लिखा था?
अ) 16 वर्ष
ब) 25 वर्ष
स) 35 वर्ष
द) 50 वर्ष

2. आर्यभट्ट का जन्म किस राज्य में हुआ था?
अ) उत्तर प्रदेश
ब) बिहार
स) महाराष्ट्र
द) गुजरात

3. आर्यभट्ट ने 'पाई (π)' का मान कितने दशमलव स्थान तक ज्ञात किया था?
अ) दो
ब) चार
स) छह
द) आठ

रिक्त स्थान भरें/ Rikt sthan bharen /Fill in the blanks

1.आर्यभट्ट ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक ____________ में खगोल विज्ञान और गणित के सिद्धांत बताए ।
2. आर्यभट्ट के समय भारत में ____________ साम्राज्य था ।
3. आर्यभट्ट के अनुसार, पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है और यह ____________ गति का परिणाम है।

दो-तीन वाक्यों में उत्तर दें / do-teen vaakyon men uttar dein / Answer in two-three sentences.

1.आर्यभट्ट को शून्य और दशमलव की खोज के लिए क्यों याद किया जाता है?
2. आर्यभट्ट की गणितीय उपलब्धियों का विज्ञान पर क्या प्रभाव पड़ा?
3. अगर आर्यभट्ट न होते तो आधुनिक विज्ञान पर क्या प्रभाव पड़ता?

सही/गलत लिखिए / sahi yaa galat likhiye / Write True or False.

1. आर्यभट्ट ने खगोल विज्ञान की शिक्षा नालंदा विश्वविद्यालय में प्राप्त की थी । (____)

2. आर्यभट्ट ने 'कोज्या' और 'ज्या' शब्दों का उपयोग त्रिकोणमिति में किया । (____)

3. आर्यभट्ट ने यूरोप में पाई (π) का मान सबसे पहले बताया । (____)

शब्दावली / Shabdavali / Vocabulary

हिंदी	Roman	English
गणितज्ञ	Ganitagya	Mathematician
खगोलशास्त्री	Khagolshaastri	Astronomer
जन्म	Janm	Birth
बिहार	Bihar	Bihar (a state in India)
कुसुमपुर	Kusumpur	Kusumpura (ancient place)
गुप्त साम्राज्य	Gupt Saamraajya	Gupta Empire
स्वर्ण युग	Svarn Yug	Golden Age
होशियार	Hoshiyaar	Intelligent
ज्ञान	Gyaan	Knowledge
प्रेरित	Prerit	Inspired
पुस्तक	Pustak	Book
आर्यभटीय	Aaryabhatiya	Aryabhatiya
रहस्य	Rahasya	Secrets/Mysteries
खोज	Khoj	Discovery
शून्य	Shunya	Zero
पाई (π)	Pi	Pi (π)
पृथ्वी	Prithvi	Earth
धुरी	Dhuri	Axis
सूर्य	Surya	Sun
त्रिकोणमिति	Trikonmiti	Trigonometry
ज्या	Jya	Sine
कोज्या	Kojya	Cosine
ग्रहण	Grahan	Eclipse
समय	Samay	Time
वैज्ञानिक	Vaigyaanik	Scientist
उपग्रह	Upagrah	Satellite
शोध संस्थान	Shodh Sansthaan	Research Institute
सम्मान	Sammaan	Honor
सिद्धांत	Siddhaant	Theory

Established by AISECT™

GROUP OF UNIVERSITIES

India's Leading Higher Education Group

CHHATTISGARH | MADHYA PRADESH | JHARKHAND | BIHAR

RNTU Rabindranath TAGORE UNIVERSITY™ MADHYA PRADESH, BHOPAL

SCOPE GLOBAL SKILLS UNIVERSITY

AISECT UNIVERSITY™ JHARKHAND, HAZARIBAG AN AISECT GROUP UNIVERSITY

DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY Chhattisgarh | Madhya Pradesh | Bihar AN AISECT GROUP UNIVERSITY

आईसेक्ट पब्लिकेशन

ई–7/22 एस.बी.आई., अरेरा कॉलोनी,
भोपाल 462016 (म.प्र.), भारत
टेलीफोन: 0755–4851056
ईमेल: aisectpublications@aisect.org

9789388846820